

जापान की पीएम तकाइची का भारत दौरा, सुरक्षा, डिफेंस टेक्नोलाजी में सहयोग पर होगी बड़ी डील?

एजेंसी। दिल्ली। जापान की प्रधानमंत्री 16वें भारत-जापान सालाना शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगी, जिससे दोनों पक्षों को आपसी सहयोग के सभी पहलुओं की समीक्षा करने और उन्हें मजबूत करने के साथ-साथ आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करने का मौका मिलेगा। जापान की प्रधानमंत्री सनाए तकाइची की 1 से 3 जुलाई तक भारत यात्रा से निवेश और इनोवेशन के मौकों को बढ़ावा मिलने, आर्थिक संबंध मजबूत होने और सेमीकंडक्टर व अहम खनिजों जैसे क्षेत्रों में मजबूत सप्लाई चेन बनाने की कोशिशों को गति मिलने की उम्मीद है। राजनयिक सूत्रों ने बताया कि इस यात्रा के दौरान समुद्री सुरक्षा, डिफेंस टेक्नोलाजी में सहयोग और बंगाल की खाड़ी व पूर्वोत्तर भारत को जोड़ने वाली 'इंडस्ट्रियल वैल्यू चेन' विकसित करने पर भी ध्यान दिया जाएगा। जापान की प्रधानमंत्री 16वें भारत-जापान सालाना शिखर



सम्मेलन में हिस्सा लेंगी, जिससे दोनों पक्षों को आपसी सहयोग के सभी पहलुओं की समीक्षा करने और उन्हें मजबूत करने के साथ-साथ आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करने का मौका मिलेगा। यह प्रधानमंत्री ताकाइची की भारत की पहली आधिकारिक यात्रा होगी। यह यात्रा अगस्त 2025 में 15वें भारत-जापान सालाना शिखर सम्मेलन के लिए प्रधानमंत्री मोदी की टोक्यो यात्रा के बाद हो रही है और यह

भारत-जापान की खास रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता को दिखाती है। जापान के प्रधानमंत्री भारत-जापान बिजनेस फोरम की बैठक में भी शामिल होंगे। सूत्रों ने बताया कि AI सहयोग को लेकर कोई घोषणा हो सकती है और प्रस्तावों में ओडिशा में बड़े पैमाने पर ग्रीन अमोनिया प्रोजेक्ट, बायोगैस सहयोग को मजबूत करना और POWERR Asia के जरिए क्षेत्रीय मजबूती को

बढ़ावा देना भी शामिल है। एक सूत्र ने कहा इस यात्रा का मकसद निवेश और इनोवेशन के जरिए आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है। आर्थिक सुरक्षा को मजबूत करने पर ध्यान दिया जाएगा, जिसमें सेमीकंडक्टर और जरूरी खनिजों जैसे क्षेत्रों में मजबूत सप्लाई चेन बनाना शामिल है। उम्मीद किए जा रहे नतीजों से जुड़े दस्तावेजों में सालाना शिखर सम्मेलन पर एक संयुक्त बयान, ऊर्जा सुरक्षा और 14 फार्मास्पूटिकल्स, बैटरी और जरूरी खनिजों जैसे क्षेत्रों से जुड़े MoU शामिल हैं। भारत और जापान ने 2014 में अपने संबंधों को 'विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी' के स्तर तक बढ़ाया था। सूत्रों ने बताया कि पिछले साल अगस्त में प्रधानमंत्री मोदी की जापान यात्रा ने अगले दशक के लिए दिशा तय की, जिसमें सुरक्षा, अर्थव्यवस्था, निवेश, इनोवेशन और लोगों के बीच आपसी आदान-प्रदान को प्राथमिकता दी गई।

अवैध प्रवासन, मानव तस्करी और फर्जी एजेंटों के खिलाफ डा. जयशंकर ने दिखाया कड़ा रुख

एजेंसी। दिल्ली। डॉ. जयशंकर ने कहा कि भारत की दृष्टि केवल विदेशों में रोजगार उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि भारत मानव संसाधन गतिशीलता को अंतरराष्ट्रीय सहयोग का एक महत्वपूर्ण स्तंभ मानता है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की साझेदारियां पारस्परिक लाभ, साझा जिम्मेदारी और दीर्घकालिक स्थिरता पर आधारित होती हैं। दिल्ली में आयोजित मानव संसाधन गतिशीलता मंच को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने कहा कि आज दुनिया तेजी से बदल रही है और इस बदलती व्यवस्था में कोशल आधुनिकता के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की साझेदारियां पारस्परिक लाभ, साझा जिम्मेदारी और दीर्घकालिक स्थिरता पर आधारित होती हैं। दिल्ली में आयोजित मानव संसाधन गतिशीलता मंच को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने कहा कि आज दुनिया तेजी से बदल रही है और इस बदलती व्यवस्था में कोशल आधुनिकता के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की साझेदारियां पारस्परिक लाभ, साझा जिम्मेदारी और दीर्घकालिक स्थिरता पर आधारित होती हैं। यदि इन्हें प्रभावी ढंग से संचालित किया जाए तो इससे स्रोत देशों, गंतव्य देशों, नियोजकों, श्रमिकों और समाज सभी को लाभ मिलता है। उन्होंने कहा कि सुरक्षित, व्यवस्थित और कानूनी प्रवासन सुनिश्चित करने के लिए द्विपक्षीय सहयोग अत्यंत आवश्यक है। भारत अब तक 26 देशों के साथ

स्वरूप दे रही हैं। इसके साथ ही स्वास्थ्य, विनिर्माण, निर्माण और कृषि जैसे पारंपरिक क्षेत्रों में भी कुशल मानव संसाधन की आवश्यकता बनी हुई है। ऐसे समय में देशों के लिए यह आवश्यक हो गया है कि वह रचनात्मक सोच और सहयोग के माध्यम से भविष्य की समृद्धि सुनिश्चित करें। विदेश मंत्री ने कहा कि लंबे समय तक वैश्विक आर्थिक चर्चाएं व्यापार, निवेश और पूंजी के प्रवाह तक सीमित रही थीं, लेकिन अब मानव संसाधन आर्थिक विकास का सबसे महत्वपूर्ण आधार बनकर उभरा है। दुनिया के अनेक देश यह समझने लगे हैं कि सतत विकास, नवाचार और उत्पादकता बनाए रखने के लिए कुशल और अनुकूलनशील प्रतिभा तक पहुंच अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मानव संसाधन गतिशीलता केवल लोगों के एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाने का विषय नहीं है, बल्कि यह आकांक्षाओं

को अवसरों से जोड़ने, प्रतिभा को मांग से मिलाने और आर्थिक प्रगति के नए रास्ते तैयार करने की प्रक्रिया है। इसके माध्यम से आर्थिक विकास के साथ सामाजिक कल्याण को भी मजबूती मिलती है। डॉ. जयशंकर ने कहा कि भारत की दृष्टि केवल विदेशों में रोजगार उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि भारत मानव संसाधन गतिशीलता को अंतरराष्ट्रीय सहयोग का एक महत्वपूर्ण स्तंभ मानता है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की साझेदारियां पारस्परिक लाभ, साझा जिम्मेदारी और दीर्घकालिक स्थिरता पर आधारित होती हैं। यदि इन्हें प्रभावी ढंग से संचालित किया जाए तो इससे स्रोत देशों, गंतव्य देशों, नियोजकों, श्रमिकों और समाज सभी को लाभ मिलता है। उन्होंने कहा कि सुरक्षित, व्यवस्थित और कानूनी प्रवासन सुनिश्चित करने के लिए द्विपक्षीय सहयोग अत्यंत आवश्यक है। भारत अब तक 26 देशों के साथ

28 प्रवासन और गतिशीलता साझेदारी समझौते कर चुका है। जबकि कई अन्य देशों के साथ बातचीत जारी है। विदेश मंत्री ने अवैध प्रवासन, मानव तस्करी, और आर्थिक विकास के साथ सामाजिक कल्याण को भी मजबूती मिलती है। डॉ. जयशंकर ने कहा कि भारत की दृष्टि केवल विदेशों में रोजगार उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि भारत मानव संसाधन गतिशीलता को अंतरराष्ट्रीय सहयोग का एक महत्वपूर्ण स्तंभ मानता है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की साझेदारियां पारस्परिक लाभ, साझा जिम्मेदारी और दीर्घकालिक स्थिरता पर आधारित होती हैं। यदि इन्हें प्रभावी ढंग से संचालित किया जाए तो इससे स्रोत देशों, गंतव्य देशों, नियोजकों, श्रमिकों और समाज सभी को लाभ मिलता है। उन्होंने कहा कि सुरक्षित, व्यवस्थित और कानूनी प्रवासन सुनिश्चित करने के लिए द्विपक्षीय सहयोग अत्यंत आवश्यक है। भारत अब तक 26 देशों के साथ

संवाददाता। लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने गन्ना किसानों के हितों की रक्षा और उनकी आर्थिक समृद्धि के क्षेत्र में नया कीर्तिमान बनाया है। प्रदेश सरकार ने पेरार्ड सत्र 2025-26 में गन्ना किसानों को 31,682 करोड़ रुपये का भुगतान किया। वहीं वर्ष 2017 से गन्ना किसानों को अब तक 3,23,572 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड गन्ना मूल्य भुगतान किया है। देश का सर्वाधिक गन्ना मूल्य भुगतान करने वाला उत्तर प्रदेश निरंतर प्रथम स्थान पर

बना हुआ है। गन्ना विकास एवं संसाधन विभाग के अनुसार वर्ष 1995 से 2017 तक के 22 वर्ष में किसानों को कुल 2,13,519 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया था, जबकि वर्तमान सरकार ने मात्र नौ

रुपये अधिक भुगतान करते हुए नया रिकॉर्ड बनाया है। वहीं वर्ष 2007 से 2017 (10 वर्ष) में कुल 1,47,346 करोड़ रुपये का भुगतान हुआ था, जबकि वर्ष 2017 से अब तक 3,23,572 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। मितों ने 89.52 लाख टन चीनी का उत्पादन किया। प्रदेश में योगी सरकार की किसान हितैषी नीतियों का असर वर्तमान पेरार्ड सत्र 2025-26 में भी दिखाई दे रहा

है। इस सत्र में अब तक किसानों को 31,682 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है, जो कुल देय राशि का 91.64 प्रतिशत है। गन्ना उत्पादन और चीनी उद्योग के क्षेत्र में भी उत्तर प्रदेश ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। पेरार्ड सत्र 2025-26 में प्रदेश की 121 संचालित चीनी मिलों ने 878.12 लाख टन गन्ने की पेरार्ड कर 89.52 लाख टन चीनी का उत्पादन किया है। मार्च 2017 से अब तक प्रदेश में 04 नई चीनी मिलों की स्थापना की गई है, जबकि 07 बंद चीनी मिलों का पुनर्संचालन किया।

घुसपैठियों को चुन चुन कर बाहर खदेड़ेंगे अमित शाह, देशव्यापी रणनीति बनाने के लिए बुलाई सभी राज्यों के की बैठक

एजेंसी। दिल्ली। सीमा पार करने के बाद अवैध घुसपैठिये संगठित गिरोहों की मदद से महानगरों और औद्योगिक क्षेत्रों तक पहुंचते हैं। इन गिरोहों का पूरा जाल सक्रिय रहता है, जो उन्हें रहने की जगह, नकली पहचान पत्र, रोजगार और एक राज्य से दूसरे राज्य तक पहुंचाने की व्यवस्था करता है। देश की आंतरिक सुरक्षा, जनसंख्या संतुलन और कानून व्यवस्था के सामने खड़ी सबसे बड़ी चुनौतियों में अब अवैध घुसपैठ का मुद्दा निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुका है। केंद्र की मोदी सरकार ने साफ कर दिया है कि अब घुसपैठियों और उन्हें संरक्षण देने वाले पूरे तंत्र के खिलाफ राष्ट्रीय और समन्वित अभियान चलाया जाएगा। इसी दिशा में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने नौ जुलाई को नई दिल्ली में सभी राज्यों के पुलिस महानिदेशकों की एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई है। यह बैठक देश की सुरक्षा को लेकर मोदी सरकार की कठोर और स्पष्ट नीति का प्रतीक मानी जा रही है। इस उच्चस्तरीय बैठक

में खुफिया ब्यूरो, अनुसंधान एवं विश्लेषण विंग यानि रॉ, राष्ट्रीय जांच एजेंसी, प्रवर्तन निदेशालय, की जांच करेगी और नकली पहचान पत्र, रोजगार और एक राज्य से दूसरे राज्य तक पहुंचाने की व्यवस्था करता है। नकली आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र और अन्य दस्तावेज तैयार करने वाले नेटवर्क भी जांच एजेंसियों के निशाने पर हैं। मोदी सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि अब केवल घुसपैठियों को चिन्हित करना ही लक्ष्य नहीं होगा, बल्कि उन्हें संरक्षण देने वाले पूरे तंत्र को जड़ से खत्म किया जाएगा। इस अभियान में प्रवर्तन निदेशालय को विशेष जिम्मेदारी दी जा सकती है। एजेंसी उन आर्थिक नेटवर्कों की जांच करेगी जिनके जरिये अवैध घुसपैठ का कारोबार फलफूल रहा है। घुसपैठ से जुड़े धन के स्रोतों की पहचान कर उनकी संपत्तियां जब्त करने की तैयारी है। वहीं खुफिया एजेंसियां राज्यों की पुलिस और प्रशासन को ठोस और त्वरित सूचनाएं उपलब्ध

कराएंगी ताकि कार्रवाई तेज और प्रभावी ढंग से हो सके। दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह लंबे समय से इस मुद्दे को राष्ट्रीय सुरक्षा से जोड़ते रहे हैं। पिछले वर्ष स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने लाल किले की प्राचीर से अवैध घुसपैठ और सीमावर्ती क्षेत्रों में हो रहे जनसंख्या बदलाव को गंभीर राष्ट्रीय चुनौती बताया था। उन्होंने स्पष्ट कहा था कि देश की सुरक्षा और सामाजिक संतुलन के साथ किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

उसी संकल्प को अब जमीन पर उतारने की दिशा में तेजी दिखाई दे रही है। साथ ही केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने हाल के महीनों में राजस्थान, गुजरात और त्रिपुरा के सीमावर्ती इलाकों का दौरा कर सीमा प्रबंधन और जनसंख्या बदलाव की स्थिति की समीक्षा की थी। इन दौरों के बाद केंद्र सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश प्रकाश श्रीवास्तव नवलेकर की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय समिति का गठन भी किया।

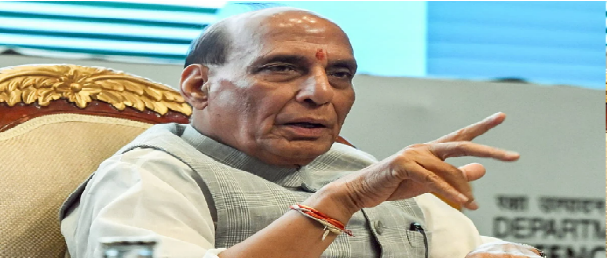
स्पष्टीकरण के बावजूद राजनाथ सिंह पर हमलावर क्यों है कांग्रेस ? अंदर की बात जानकर चौंक जाएंगे!

एजेंसी। दिल्ली। इस साल संसद के बजट सत्र में जब कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवण के अप्रकाशित किताब के कथित अंशों का सहारा लेकर मोदी सरकार और भारतीय सेना की कार्यशैली पर सवाल उठाने की कोशिश की थी, तभी यह साफ हो गया था कि राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे गंभीर विषय पर भी कांग्रेस राजनीति का अवसर तलाश रही है। उस समय लोकसभा अध्यक्ष ने साफ तौर पर कहा था कि अप्रकाशित सामग्री को सदन में उद्धृत नहीं किया जा सकता, लेकिन कांग्रेस ने नियमों की अनदेखी करते हुए विवाद खड़ा करने की कोशिश जारी रखी। अब जबकि संसद का मौनसून सत्र शुरू होने वाला है, तब कांग्रेस ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस देकर एक बार फिर वही रणनीति अपनाई है। फर्क सिर्फ इतना है कि इस बार बहाना ऑपरेशन सिंदूर को बनाया गया है। हम आपको बता दें कि कांग्रेस सिंदूर को हल करवाना मुश्किल हो गया है। सूत्रों का यह भी कहना है कि दिवंगत डिप्टी सीएम अजित पवार चाहते थे कि अगर NCP के दोनों गुट फिर से एक हो जाएं, तो भी छव। के साथ ही विपक्ष में रहने के कारण राज्य की इस गठबंधन का हिस्सा थे। हालांकि, उनके निधन के बाद दोनों गुटों के फिर से एक होने की संभावना कम हो गई है, लेकिन पार्टी के इस धड़े का मानना है कि NDA में अलग से शामिल होने में कोई बाधा नहीं आएगी। हालांकि, पार्टी के भीतर एक दूसरा गुट कांग्रेस के साथ विलय के पक्ष में बताया जाता है।

डाली है। लेकिन जब आप रक्षा मंत्री के पूरे बयान और उसके संदर्भ को देखेंगे तो कांग्रेस का आरोप पूरी तरह राजनीतिक और भ्रामक नजर आयेगा। हम आपको बता दें कि रक्षा मंत्रालय ने बेहद स्पष्ट शब्दों में कहा है कि राजनाथ सिंह के बयान को जानबूझकर तोड़ मरोड़कर पेश किया गया है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार उस समय मीडिया और सोशल मीडिया पर यह दुष्प्रचार फैलाया जा रहा था कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायुसेना के पायलट मारे गए थे और रॉफेल विमान गिरा दिए गए थे। यह पूरी तरह झूठा और दुर्भावनापूर्ण प्रचार था, जिसका उद्देश्य भारत की सैन्य सफलता को कमतर दिखाना और जनता का मनोबल गिराना था। रक्षा मंत्री ने संसद में उसी दुष्प्रचार का जवाब देते हुए कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर में हमारे सैनिकों को वह क्षति नहीं हुई, जिसका झूठा प्रचार किया जा रहा है। रक्षा मंत्रालय ने यह भी साफ कर दिया कि छह जवानों के बलिदान को कभी छिपाया नहीं गया। इन वीर जवानों के नाम राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर दर्ज किए गए हैं और उनके परिवारों को सभी सरकारी सुविधाएं तथा सम्मान दिए गए हैं। ऐसे में कांग्रेस का यह आरोप कि सरकार ने शहादत छिपाई, तथ्यहीन और

राजनीति से प्रेरित प्रतीत होता है। सवाल यह है कि यदि सरकार कुछ छिपाना चाहती

महत्वपूर्ण अध्याय था। पहलगाम आतंकी हमले के बाद सात मई 2025 को शुरू हुए इस अभियान



तो क्या राष्ट्रीय युद्ध स्मारक और सरकारी अभिलेखों में इन नामों को दर्ज करती? दरअसल कांग्रेस का यह रवैया नया नहीं है। यही वह पार्टी है जिसने रॉफेल सौदे पर लगातार झूठे आरोप लगाए और देश की रक्षा तैयारियों को संदेह के घेरे में खड़ा करने की कोशिश की। यही वह पार्टी है जिसके नेता सर्जिकल स्ट्राइक और बालाकोट एयर स्ट्राइक के सबूत मांगते रहे। अब ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भी वही राजनीति दोहराई जा रही है। कभी कहा जाता है कि रॉफेल विमान गिर गया, कभी सेना की कार्रवाई पर सवाल उठाए जाते हैं और कभी रक्षा मंत्री के बयान को संदर्भ से काटकर प्रस्तुत किया जाता है। यह सब महज संयोग नहीं बल्कि एक सुनियोजित राजनीतिक अभियान नजर आता है। देखा जाये तो ऑपरेशन सिंदूर भारत की आतंकवाद विरोधी कार्रवाई का

में भारतीय सेनाओं ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में आतंकी ढांचों को निशाना बनाया। इस कार्रवाई में सौ से अधिक आतंकवादी और पाकिस्तानी सैनिक मारे गए तथा पाकिस्तान के कई सैन्य ठिकानों को भारी नुकसान पहुंचा। भारत ने स्पष्ट संदेश दिया कि आतंकवाद को संरक्षण देने वालों को अब सीधे जवाब का सामना करना पड़ेगा। लेकिन कांग्रेस ने इस सैन्य सफलता को राष्ट्रीय उपलब्धि की तरह देखने की बजाय उसमें भी राजनीतिक अवसर तलाशना ज्यादा जरूरी समझा। राजनाथ सिंह के इस्तीफे की मांग कर रही कांग्रेस को यह भी पता होना चाहिए कि रक्षा मंत्री के रूप में राजनाथ सिंह का कार्यकाल भारत की सैन्य ताकत, आत्मनिर्भरता और रणनीतिक क्षमता को नई ऊंचाई देने वाला रहा है। उनके नेतृत्व में रक्षा क्षेत्र में स्वदेशीकरण को अमूर्तपूर्व गति मिली है।

27 साल बाद कांग्रेस में घर वापसी, शरद पवार की पार्टी के विलय पर बड़ा खुलासा!

एजेंसी। दिल्ली। भतीजे की बगावत के बाद शरद पवार की पार्टी महावििकास अघाड़ी में कांग्रेस के साथ मिलकर चुनाव लड़ रही है, और अब दोनों दलों के पूरी तरह एक होने की सुगबुगाहट ने महाराष्ट्र से लेकर दिल्ली तक की राजनीति में नया उबाल ला दिया है। महाराष्ट्र की राजनीति से इस समय की सबसे बड़ी और धमाकेदार सियासी खबर सामने आ रही है। शरद पवार की पार्टी और कांग्रेस के बीच विलय को लेकर बेहद गंभीर चर्चा शुरू हो चुकी है। इस बात की आधि। कारिक पुष्टि खुद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और महाराष्ट्र विधानसभा में विपक्ष के पूर्व नेता विजय वडेहीवार ने की है। एनडीटीवी से खास बातचीत में विजय वडेहीवार ने इस संभावित विलय पर मुहर लगाते हुए कहा शरद पवार की पार्टी के कांग्रेस में विलय को लेकर हमारे केंद्रीय आलाकमान के साथ बातचीत चल रही है। जो लोग भी कांग्रेस और शरद पवार की धर्मनिरपेक्ष विचारधारा में विश्वास रखते हैं, उन

सभी का हमारी पार्टी में हमेशा स्वागत है। सियासी गलियारों में इस खबर के बाद से हलचल तेज हो गई



है। गौरतलब है कि साल 1999 में शरद पवार ने कांग्रेस से अलग होकर श्वाष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) का गठन किया था। लेकिन समय का चक्र ऐसा घूमा कि साल 2023 में उनके भतीजे अजीत पवार ने बगावत कर दी और एनसीपी को दो फाड़ कर दिया। अजीत पवार अपने समर्थक विधायकों के साथ महाराष्ट्र की बीजेपी-शिवसेना सरकार में शामिल हो गए थे। भतीजे की बगावत के बाद शरद पवार की पार्टी (NCP-SP) महावििकास अघाड़ी में कांग्रेस के साथ मिलकर चुनाव लड़ रही है, और अब दोनों दलों के पूरी तरह एक होने

की सुगबुगाहट ने महाराष्ट्र से लेकर दिल्ली तक की राजनीति में नया उबाल ला दिया है। हाल के झटकों से पार्टी चौकनाममता बन गई और उद्धव ठाकरे जैसे क्षेत्रीय नेताओं को हाल ही में राजनीतिक झटके लगे हैं। उनके सांसदों ने अपनी मूल पार्टियों को छोड़कर अलग गुट बनाने का फैसला किया है और इसी माहौल में कांग्रेस के साथ संभावित विलय की चर्चा हो रही है। सूत्रों के मुताबिक, नई दिल्ली में शरद पवार की अगुवाई वाली एनसीपी के कांग्रेस में विलय को लेकर वरिष्ठ नेतृत्व स्तर पर बातचीत अब अंतिम चरण में है और इसमें सकारात्मक प्रगति हुई है। सूत्रों का यह भी कहना है कि कांग्रेस लीडरशिप ने NCP (शरदचंद्र पवार) के उन विधायकों और सांसदों को हरी झंडी दे दी है जो कांग्रेस में शामिल होना चाहते हैं। सूत्रों के मुताबिक, 85 साल के शरद पवार और उनकी पार्टी के राजनीतिक भविष्य को लेकर दो अलग-अलग राय सामने आ

रही हैं। कहा जा रहा है कि पार्टी का एक धड़ा नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (NDA) में शामिल होने के पक्ष में है। उनका तर्क है कि पार्टी की संसदीय ताकत उसे छव। का हिस्सा बनने में मदद कर सकती है। इस खेमे में नेताओं का यह भी मानना है कि विपक्ष में रहने के कारण राज्य और केंद्र, दोनों स्तरों पर विकास कार्यों और अपने चुनाव क्षेत्र से जुड़े मुद्दों को हल करवाना मुश्किल हो गया है। सूत्रों का यह भी कहना है कि दिवंगत डिप्टी सीएम अजित पवार चाहते थे कि अगर NCP के दोनों गुट फिर से एक हो जाएं, तो भी छव। के साथ ही विपक्ष में रहने के कारण राज्य की इस गठबंधन का हिस्सा थे। हालांकि, उनके निधन के बाद दोनों गुटों के फिर से एक होने की संभावना कम हो गई है, लेकिन पार्टी के इस धड़े का मानना है कि NDA में अलग से शामिल होने में कोई बाधा नहीं आएगी। हालांकि, पार्टी के भीतर एक दूसरा गुट कांग्रेस के साथ विलय के पक्ष में बताया जाता है।

बंद मकान पर थी चोरों की नज़र, गुडम्बा पुलिस ने 48 घंटे में किया चोरी का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार, सोने-चांदी के आभूषण और नकदी बरामद

लखनऊ, (आरएनएस) 30 जून। राजधानी के गुडम्बा थाना क्षेत्र में बंद मकानों को निशाना बनाकर चोरी करने वाले दो शातिर युवकों को पुलिस ने घटना के 48 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए सोने-चांदी के बड़ी मात्रा में आभूषण, एक कलाई घड़ी तथा नकद सिक्के बरामद किए हैं। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि उन्होंने कई दिनों से बंद पड़े मकान की रेकी की थी और मौका मिलते ही ताला तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया था।पुलिस के अनुसार 28 जून 2026 को मोहम्मदपुर खत्री, कल्याणपुर निवासी प्रशांत मणि

त्रिपाठी ने गुडम्बा थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि अज्ञात चोर उनके बंद मकान का ताला तोड़कर घर में रखे सोने-चांदी के आभूषण और नकदी चोरी कर ले गए हैं। शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता की सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू की गई।मामले की जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल के आसपास से साक्ष्य जुटाए और मुखबिरों को सक्रिय किया। सुरागरसी के दौरान मंगलवार को उपनिरीक्षक देवेन्द्र कुमार सिंह, उपनिरीक्षक नरचय नेहवाल तथा पुलिस टीम ने कुकरैल जंगल क्षेत्र से दो संधिध युवकों को हिरासत में लिया। पूछताछ में उनकी पहचान मयंक वर्मा (19) निवासी ग्राम भंडार, बड़्ढपुर

थाना कुर्सी, जनपद बाराबंकी, हाल निवासी मेकाले तिराहा, गुडम्बा तथा अभिषेक यादव (20) निवासी कंचना विहारी मार्ग, कल्याणपुर, गुडम्बा के रूप में हुई।तलाशी के दौरान पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी के चार सोने की अंगूठियां, एक मंगलसूत्र, दो सोने की चेन, एक हार, दो जोड़ी बालियां, नथ की लड, दो सुई-धागा, एक लॉकेट, तीन जोड़ी टॉप्स, नाक की कील, नथुनी, नग सहित दो नाक की कील, चांदी की करधनी, हाफ पेटी, आठ पायल, कमर की चेन, बच्चों के दो कपड़े, चार बिछाव, एक कलाई घड़ी तथा एक और दो रुपये के कुल 138 रुपये के सिक्के बरामद किए।पूछताछ में दोनों आरोपियों ने पुलिस को बताया कि उन्होंने देखा था कि

संबंधित मकान कई दिनों से बंद पड़ा है। इसके बाद दोनों ने मकान की रेकी की और रात के समय ताला तोड़कर घर में रखे जेवर और नकदी चोरी कर ली। आरोपियों ने बताया कि चोरी की नकदी वे खर्च कर चुके थे, जबकि आभूषण बेचने की फिराक में थे। इससे पहले ही पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया।गुडम्बा पुलिस ने चोरी का अधिकांश सामान बरामद कर मामले का सफल अनावरण कर दिया है। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेजने का कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का कहना है कि यह भी जांच की जा रही है कि दोनों आरोपियों का किसी अन्य चोरी की घटनाओं से भी संबंध रहा है या नहीं।

रामपुर को 690 करोड़ की 102 विकास परियोजनाओं की सौगात, विकास और विरासत साथ-साथ आगे बढ़ेंगे - मुख्यमंत्री योगी

रामपुर, लखनऊ (आरएनएस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को रामपुर जनपद के मिलक और बिलासपुर वि्ानसभा क्षेत्रों को 690 करोड रुपये से अधिक लागत की 102 विकास परियोजनाओं की सौगात दी। उन्होंने विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करते हुए कहा कि रामपुर भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, सनातन आस्था और आध्यात्मिक चेतना का महत्वपूर्ण केंद्र है। प्रदेश सरकार विकास और विरासत दोनों को समान प्राथमिकता देते हुए जनपद को नई पहचान दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है।मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर हाईस्कूल और इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा–2026 के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया तथा मुख्यमंत्री बाबू सेवा योजना के लाभार्थियों को लैपटॉप वितरित किए। उन्होंने सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यापारियों को सम्मानित किया और विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र एवं प्रतीकात्मक चेक भी प्रदान किए। कार्यक्रम से पहले उन्होंने विभिन्न विभागों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया, बच्चों का अन्नप्राशन कराया तथा रामपुर की विकास यात्रा पर आधारित लघु फिल्म भी देखी।मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले और उसके बाद के रामपुर में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। उन्होंने कहा कि पहले जनपद के पारंपरिक उद्योगों को उचित

वातावरण नहीं मिल पाता था, लेकिन अब ‘एक जनपद–एक उत्पाद’ योजना के माध्यम से पैच वर्क, जरी वर्क, वॉयलिन निर्माण और मेथा ऑयल जैसे पारंपरिक उद्योगों को नई पहचान मिली है। उन्होंने कहा कि बेहतर कानून–व्यवस्था के कारण निवेश और रोजगार के अवसर बढ़े हैं तथा हाईवे, एक्सप्रेस–वे, रेलवे पलाईओवर और चौड़ी सड़कों जैसी आधारभूत संरचनाएं तेजी से विकसित हो रही हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार बिना किसी भेदभाव के सभी 75 जनपदों, 350 तहसीलों और 825 विकास खंडों तक विकास की योजनाएं पहुंचा रही है। उन्होंने कहा कि अब किसी क्षेत्र के साथ पक्षपात नहीं होता और हर वि्ानसभा क्षेत्र के विकास प्रस्तावों को समान प्राथमिकता दी जाती है।उन्होंने बताया कि बिलासपुर की रुद्र बिलास चीनी मिल के पुनरुद्धार और विस्तार के लिए सर्वे करया जा रहा है। सर्वे रिपोर्ट प्राप्त होते ही सरकार आवश्यक धनराशि उपलब्ध कराएगी। साथ ही रामपुर के सभी विधानसभा क्षेत्रों से प्राप्त विकास प्रस्तावों को भी चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जाएगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि मजबूत आधारभूत संरचना किसी भी प्रदेश की अर्थव्यवस्था की गति देती है। अच्छी सड़कें, पुल और संपर्क मार्ग केवल वाहनों की रफ्तार नहीं बढ़ाते, बल्कि व्यापार, निवेश और रोजगार को

भी गति देते हैं। उन्होंने बताया कि गोरखपुर–शामली आर्थिक गलियारा रामपुर से होकर गुजरेगा, जिससे क्षेत्र के आर्थिक विकास को नई दिशा मिलेगी।मुख्यमंत्री ने पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में कानून–व्यवस्था कमजोर थी, किसान परेशान थे, युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सीमित थे और सरकारी भर्तियों में भ्रष्टाचार व्याप्त था। उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश देश की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है तथा युवाओं को रोजगार, किसानों को सहायता, उद्योगों को प्रोत्साहन और गरीबों को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है।उन्होंने कहा कि प्रदेश में विरासत स्थलों के संरक्षण के साथ विकास कार्य भी तेज गति से किए जा रहे हैं। नैमिषारण्य, मथुरा–वृंदावन, शुकतीर्थ, अयोध्या, काशी और विंध्य धाम जैसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों का व्यापक विकास कराया गया है। साथ ही युवाओं को सरकारी नौकरियों में पारदर्शी अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं और निवेश के माध्यम से नए रोजगार सृजित किए जा रहे हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार का लक्ष्य प्रत्येक तहसील में अग्निशमन केंद्र स्थापित करना है। जहां पॉलीटेक्निक, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, इंटर कॉलेज

और डिग्री कॉलेज नहीं हैं, वहां नए संस्थान खोले जा रहे हैं। ‘प्रोजेक्ट अलंकार’ और ‘ऑपरेशन कायाकल्प’ के माध्यम से विद्यालयों का आधुनिकीकरण भी किया जा रहा है।उन्होंने बताया कि प्रदेश की 96 लाख सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम इकाइयों को पांच लाख रुपये तक का सुरक्षा बीमा कवर उपलब्ध कराया गया है। सरकार किसानों, युवाओं, महिलाओं, उद्यमियों और व्यापारियों के लिए संचालित योजनाओं का लाभ बिना किसी भेदभाव के पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या अब दोहरी रेल लाइन, चार लेन सड़क संपर्क और महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे जैसी आधुनिक सुविधाओं से जुड़ चुकी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में धार्मिक विरासत के संरक्षण के साथ विकास का नया मॉडल स्थापित किया गया है और यही मॉडल उत्तर प्रदेश को देश की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल करने की दिशा में आगे बढ़ा रहा है।कार्यक्रम को कृषि राज्य मंत्री बलदेव सिंह ओलख ने भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने कानून–व्यवस्था, आधारभूत संरचना, निवेश, किसान कल्याण और गरीबों के उत्थान के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं।

उत्तर प्रदेश टीचिंग एंड लर्निंग प्रैक्टिसेज सर्वे-2025 रिपोर्ट जारी, प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता सुधार के लिए 10 प्रमुख सिफारिशें

लखनऊ (आरएनएस), 30 जून। लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन (एलएलएफ) ने टाटा ट्रस्ट और उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा विभाग के सहयोग से मंगलवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में उत्तर प्रदेश टीचिंग एंड लर्निंग प्रैक्टिसेज सर्वे (टीएलपीएस)–2025 रिपोर्ट के विमोचन किया। रिपोर्ट में कक्षा 1 और 2 के शिक्षण–अधिगम व्यवहारों का विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत करते हुए कक्षा–कक्ष की गुणवत्ता सुधार के लिए साक्ष्य–आधारित सुझाव दिए गए हैं।रिपोर्ट का विमोचन अपर मुख्य सचिव (बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा) पार्थसारथी सेन, महानिदेशक स्कूल शिक्षा मोनिका रानी, एससीईआरटी निदेशक गणेश कुमार, समग्र शिक्षा के अधिकारियों, टाटा ट्रस्ट, एलएलएफ, डायट, जिला शिक्षा

अधिकारियों तथा शिक्षकों की उपस्थिति में किया गया। यह कार्यक्रम र्षॉलिसी टू प्रैक्टिस डायलॉगक ट्रान्सफॉर्मिंग क्लासरूम प्रैक्टिसेजविषय पर आयोजित किया गया, जिसमें शिक्षा नीति और विद्यालयी शिक्षण के बीच बेहतर समन्वय पर चर्चा हुई।रिपोर्ट के लिए नवंबर 2024 से मार्च 2025 के बीच बहराइच, बरेली, मिर्जापुर और रायबरेली के 200 विद्यालयों तथा 200 कक्षाओं का अध्ययन किया गया। सर्वेक्षण के दौरान कक्षा–कक्ष के वातावरण, पाठ संचालन, समय के उपयोग और शिक्षकों के साक्षात्कार के माध्यम से छह प्रमुख आयामोंकृकक्षा वातावरण, पाठ योजना एवं संचालन, भाषा शिक्षण, गणित शिक्षण, समय प्रबंधन और शिक्षक डेव्टिकोणकृक माूल्यांकन किया गया।रिपोर्ट

में उत्तर प्रदेश की प्रारंभिक शिक्षा व्यवस्था के कई सकरात्मक पक्ष सामने आए हैं। सर्वे के अनुसार 97 प्रतिशत कक्षाओं में कार्यशील श्यामपट्ट उपलब्ध मिले, 97 प्रतिशत शिक्षक बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान (एफएलएन) के अधिगम लक्ष्यों से परिचित पाए गए, 94 प्रतिशत शिक्षकों को वलस्तर और ब्लॉक संसाधन समन्वयकों से शैक्षणिक सहयोग प्राप्त हुआ तथा 78 प्रतिशत शिक्षक विद्यार्थियों के अधिगम मूल्यांकन के मिले।हालाकि रिपोर्ट में समावेशी शिक्षण को और मजबूत बनाने, बेहतर पाठ योजना तैयार करने, विद्यार्थियों को प्रभावी प्रतिपुष्टि देने, कक्षा में बच्चों की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने, भाषा और गणित शिक्षण को अधिक संवादात्मक बनाने तथा

शिक्षकों के सतत व्यावसायिक प्रशिक्षण और सहयोग को सुदृढ़ करने की आवश्यकता भी रेखांकित की गई है।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अपर मुख्य सचिव पार्थसारथी सेन ने निर्देश दिए रिपोर्ट में शामिल 10 प्रमुख सिफारिशों पर आगामी शिक्षक क्लस्टर बैठकों में अनिवार्य रूप से चर्चा की जाए और उनके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विद्यालय स्तर पर कार्ययोजना तैयार की जाए।टाटा ट्रस्ट की प्रतिनिधि ज्योत्सना तथा एलएलएफ के संस्थापक एवं कार्यकारी निदेशक डॉ. धीर झिंगरन ने कहा कि बच्चों के सीखने में स्थायी सुधार तभी संभव है, जब प्रत्येक कक्षा में गुणवत्तापूर्ण, सहभागी और बाल–केंद्रित शिक्षण व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

प्रयागराज मंडल में 58 नए भू-माफियाओं का चिन्हांकन भूमि विवादों के निस्तारण एवं भू-माफियाओं के विरुद्ध विशेष अभियान की समीक्षा

प्रयागराज। भूमि विवादों के प्रभावी निस्तारण तथा सरकारी भूमि पर अवैध कब्जों के विरुद्ध 01 जून से 30 जून तक संचालित विशेष अभियान के अंतिम दिन आज मंडलायुक्त श्रीमती सौम्या अग्रवाल एवं पुलिस महानिरीक्षक अजय मिश्रा की संयुक्त अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस आयुक्त प्रयागराज, मंडल के चारों जिलाधिाकारियों, पुलिस अधीक्षकों एवं अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ जनपदवार प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा कर आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए।

बैठक में अवगत कराया गया कि पूर्व में दिए गए निर्देशों के अनुपालन में मंडल में अब तक 58 नए भू-माफियाओं का चिन्हांकन कर उन्हें सूचीबद्ध किया गया



प्रतापगढ़ के 15, कौशांबी के 21 तथा फतेहपुर के 4 भू–माफिया शामिल हैं। इसके साथ ही गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 14(1) के अंतर्गत की गई कार्रवाई की भी समीक्षा की गई। अवगत कराया गया कि 01 अप्रैल 2025 की स्थिति के अनुसार

मंडल के कुल 63 प्रकरण लंबित थे, जिनमें प्रयागराज के 29, प्रतापगढ़ के 18, फतेहपुर के 5 तथा कौशांबी के 11 प्रकरण शामिल थे। समीक्षा अवधि के दौरान इनमें से 27 प्रकरणों का निस्तारण किया जा चुका है, जबकि वर्तमान में 40 प्रकरण लंबित हैं। इनमें प्रयागराज के

22, प्रतापगढ़ के 8, कौशांबी के 10 तथा फतेहपुर में कोई प्रकरण लंबित नहीं है। इसके अतिरिक्त, जिला मजिस्ट्रेट स्तर पर कार्रवाई पूर्ण होने के उपरांत कुल 21 प्रकरण अग्रिम न्यायिक कार्यवाही के लिए गिरोहबंद न्यायालय को प्रेषित किए जा चुके हैं। इस क्रम में उन्होंने निर्देशित किया कि भू–माफियाओं के चिन्हांकन से लेकर बेदखली, संपत्ति कुर्की एवं अन्य विधिक कार्यवाहियों तक की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी, समयबद्ध और प्रमाणोन्मुखी ढंग से संचालित की जाए, ताकि अतिक्रमण से मुक्त कराई गई सरकारी भूमि का उपयोग जनकल्याणकारी चरियोजनाओं एवं सार्वजनिक सुविधाओं के विकास में प्रभावी रूप से किया जा सके।

पूर्व सपा विधायक अंसार अहमद पर गैंगस्टर लगाने की तैयारी कोल्ड स्टोरेज हादसा के 7 मुल्जिमों की करोड़ों की संपत्ति जब्त होगी

प्रयागराज। सपा के पूर्व विधायक अंसार अहमद समेत सात लोगों पर जल्द ही गैंगस्टर लगेगा। फाफामऊ के चर्चित आदर्श कोल्ड स्टोरेज हादसे के इन आरोपियों पर शिकंजा कसने की तैयारी है। गैंगस्टर लगने के साथ ही आरोपियों की अवैध तरीके से अर्जित संपत्ति की पहचान कर उसे कुर्क और जब्त करने की प्रक्रिया भी शुरू की जाएगी।कमिश्नरेट पुलिस ने यह कार्रवाई संगठित अपराध पर प्रभावी

अंकुश लगाने और अवैध कमाई से अर्जित संपत्तियों पर प्रहार करने की रणनीति के तहत शुरू की है। पुलिस का कहना है कि मामले में गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई के बाद आरोपियों की संपत्तियों की जांच कर नियमानुसार जब्ती की जाएगी।गैंगस्टर एक्ट के तहत जिन आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की तैयारी है, उनमें आदर्श कोल्ड स्टोरेज के मालिक अंसार अहमद, मंजूर, अलाउद्दीन,

मो. जाबिर अली उर्फ जावेद, मो. उस्मान, मो. इरफान और मो. असलम उर्फ बाबा शामिल हैं। इन सभी के खिलाफ पहले से थाना फाफामऊ में बीएनएस और सीएलए एक्ट की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज है।23 मार्च को फाफामऊ थाना क्षेत्र के चंदापुर स्थित आदर्श कोल्ड स्टोरेज की इमारत अचानक भस्मराकर गिर गई थी। हादसे के समय वहां कई मजदूर और कर्मचारी मौजूद थे। मलबे में दबने से चार लोगों

की मौत हो गई थी, जबकि 12 लोग घायल हुए थे। राहत और बचाव अभियान कई घंटों तक चला था और प्रशासन को भारी मशक्कत करनी पड़ी थी।पुलिस के अनुसार जांच में सामने आया कि कोल्ड स्टोरेज का संचालन निर्धारित मानकों के विपरीत किया जा रहा था। आरोप है कि अधिकां मुनाफा कमाने के उद्देश्य से क्षमता से अधिक आलू का भंडारण किया गया और सुरक्षा मानकों की अनदेखी की गई।

भारतीय डाक केवल सदेश पहुंचाने का माध्यम नहीं- पोस्टमास्टर जनरल

प्रयागराज। आज भारतीय डाक केवल संदेश पहुंचाने का माध्यम नहीं, बल्कि देश के हर नागरिक तक भरोसा, सुविधा और शासकीय सेवाओं को पहुंचाने वाला एक सशक्त तंत्र बन चुका है। विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं जनकल्याणकारी सेवाओं को आम नागरिकों तक पहुंचाने में भी डाक कर्मी सरकार और जनता के बीच एक सशक्त एवं विश्वसनीय सेतु के रूप में उभरकर सामने आए हैं। डाक कर्मी लंबे समय से समाज की सेवा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं और प्रत्येक वर्ष 1 जुलाई को मनाया जाने वाला “नेशनल पोस्टल वर्कर्स डे” उनके अमूल्य योगदान को सम्मानित करने के लिए मनाया

जाता है। उत्तर गुजरात परिक्षेत्र के पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि ‘नेशनल पोस्टल वर्कर डे’ की अवधारणा अमेरिका से आई, जहां वाशिंगटन राज्य के सीएटल शहर में वर्ष 1997 में कर्मचारियों के सम्मान में इस विशेष दिवस की शुरुआत की गई। धीरे–धीरे इसे भारत सहित अन्य देशों में भी मनाया जाने लगा। यह दिन दुनिया भर में डाककर्मियों द्वारा की जाने वाली सेवा के सम्मान में मनाया जाता है, जो हमारे समुदायों को आपस में जोड़े रखते हैं।पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव ने कहा कि संचार के क्षेत्र में डिजिटलीकरण ने भले ही व्यापक परिवर्तन ला दिया हो,

लेकिन डाककर्मी आज भी वितरण व्यवस्था की रीढ़ बने हुए हैं। लाइसेंस, बैंक चेक बुक, एटीएम



प्रतिकूल मौसम और विषम परिस्थितियों के बावजूद डाक कर्मी प्रतिदिन लंबी दूरी तय कर पत्र, स्पीड पोस्ट, पार्सल, ई–कॉमर्स उत्पाद, मेडिकल सप्लाई की समयबद्ध डिलीवरी सुनिश्चित करते हैं। भारत में आधार कार्ड पासपोर्ट,

कार्ड, पीएम विश्वकर्मा टूल किट्स, परीक्षा सामग्री, विभिन्न मंदेशों के प्रसाद, गंगाजल सहित अनेक महत्वपूर्ण दस्तावेज एवं आवश्यक सामग्री का वितरण पोस्टमैन के माध्यम से किया जाता है।

प्रशिक्षण वर्ग में व्यक्तित्व विकास और संस्कारों पर हुआ मंथन

प्रयागराज। विद्या भारती से संबद्ध काशी प्रांत के रानी रेवती देवी सरस्वती विद्या निकेतन इंटर कॉलेज राजापुर प्रयागराज के पावन परिसर में प्रधानाचार्य सतीश कुमार सिंह के संयोजन एवं क्षेत्रीय बालिका शिक्षा प्रभारी उमाशंकर मिश्र के नेतृत्व में चल रहे पांच दिवसीय बालिका शिक्षा प्रशिक्षण वर्ग के चौथे दिन आज विविध सत्रों में बालिकाओं के व्यवहार, संस्कार और व्यक्तित्व विकास पर गहन चर्चा हुई। विद्यालय के संगीताचार्य एवं मीडिया प्रभारी मनोज गुप्ता ने बताया कि प्रथम सत्र में क्षेत्रीय बालिका शिक्षा प्रभारी उमाशंकर मिश्र ने श्बालिका शिक्षा का व्यवहार व संस्कार विषय पर बोलते हुए कहा कि हर विद्यालय में एक श्बालिका कक्ष बनाया जाए। इस कक्ष में गार्गी, अमला, घोषा, लोपा, रानी दुर्यावती जैसी विदुषी वीरांगनाओं के चित्र लगाए जाएं और ऐसी पुस्तकें रखी जाएं जो बालिकाओं के लिए प्रेरणादायक हों। द्वितीय सत्र में क्षेत्रीय शिशु वाटिका प्रमुख विजय उपाध्याय ने श्बालिका शिक्षा के व्यक्तित्व विकास के विविध आयाम पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आचार–विचार, रहन–सहन, खान–पान और वेश–भूषा के माध्यम से बालिकाओं के व्यक्तित्व का विकास किया जा सकता है। क्षेत्रीय बालिका प्रमुख निधि द्विवेदी ने बालिका शिक्षा परिषद के 10 परिषदों की विस्तृत जानकारी दी और बताया कि इनके माध्यम से बालिकाओं में संस्कार रोपे जा सकते हैं। अंतिम सत्र में प्रांतीय बालिका शिक्षा प्रमुख जेबिका राय ने श्भारतीय परम्पराओं में विज्ञान और हमारी जीवन शैली विषय पर बोलते हुए स्पष्ट किया कि हमारी सनातन संस्कृति के पर्व, उत्सव और रीति–रिवाज वैज्ञानिक आधार पर टिके हैं।

डीएम के निर्देशों का एसडीएम नहीं कर रहे हैं क्रियान्वयन

प्रयागराज। भूमि सुधार कानून तहत भूमिहीन खेतिहर मजदूरों में भूमि आवंटन कराने की मांग को लेकर आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) सतत उप जिलाधिकारी कार्यालय बारा और करछना के सम्क्ष प्रदर्शन करता रहा है। पार्टी के पूर्व जिला प्रभारी व उच्च न्यायालय के अधिवक्ता आईपी रामबृज के नेतृत्व में मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन उप जिलाधिकारी बारा और करछना को सौंपा जाता रहा। ज्ञापन के माध्यम से मांग किया जाता रहा कि

यमुनापार की तहसील बारा, करछना, मेजा और कोराव स्थित प्रत्येक ग्रामसभा में चक्रबंदी के दौरान छूटी अतिरिक्त जमीन जिसे क्षेत्रीय भूमाफियाओं द्वारा कब्जा कर लिया गया है को भूमाफियाओं से मुक्त कराकर भूमिहीन खेतिहर मजदूरों में आवंटित कराया जाए। अधिवक्ता आईपी रामबृज ने बताया कि यमुनापार के भूमिहीन खेतिहर मजदूर लगातार मुख्यमंत्री को राजिस्टर्ड डाक से प्रार्थना पत्र भेज रहे हैं। मुख्यमंत्री के अनु सचिव ने

जिलाधिकारी प्रयागराज को आदेश भी दिया था कि कृषि कार्य एवं आवासीय पड़ा दिया जाए। अनुसूचित जाति व जनजाति के भूमिहीन खेतिहर मजदूरों को भूमि आवंटन के लिए अलग से नीति बनाने का औचित्य नहीं है। मामले की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई कर मजदूरों को अवगत कराने के निर्देश दिए गए थे।पूर्व जिला प्रभारी आसपा आईपी रामबृज ने बताया कि मुख्यमंत्री कार्यालय से आदेश जारी होने के बावजूद पिछले दस

सालों में जमीनी स्तर पर कोई काम नहीं हुआ। आयुक्त एवं सचिव राजस्व परिषद लखनऊ के निर्देशों के क्रियान्वयन के लिए मंगलवार को यमुनापार की तहसील बारा विकास खण्ड शंकरगढ़ स्थित ग्रामसभा जिला में पूर्व जिला प्रभारी आईपी रामबृज की अध्यक्षता में बैठक की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि शुक्रवार 03 जुलाई को जनसुनवाई में यमुनापार की सैकड़ों गांवों के भूमिहीन खेतिहर के लिए बाध्य होंगे।

अवैध रूप से शराबध्मादक पदार्थों के बड़े कारोबारियो पर अभियान चलाकर करे कार्यवाही -जिलाधिकारी शराब की लाइसेंस दुकानो पर मानक के अनुरूप लगाए सी०सी०टी०वी० कैमरा-आवेरेस्टिंग पर भी रखे कड़ी निगरानी

मीरजापुर 30 जून 2026— जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में नार्का क्वार्टिडेशन की बैठक सम्बन्धित अधिकारियों के साथ आहूत की गई। जिसमें जनपद में नशे व अवैध मादक पदार्थों की तस्करीधबित्री पर कड़ा अंकुश लगाने तथा नशा मुक्ति के लिए चलाए जा रहे अभियान के प्रगति की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने पुलिस व आबकारी विभाग को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रत्येक लाइसेंसी शराब की दुकानो पर मानक के अनुरूप सी०सी०टी०वी० कैमरो लगे हो तथा किसी दुकान ओवर रेंटिंग न हो इस पर कड़ी निगरानी रखी जाए। उन्होंने कहा कि अवैध ा शराब की तस्करीधबित्रीध्वनाने वाले बड़े कारोबारियो पर अभियान चलाकर कड़ी कार्यवाही की जाए। आबकारी विभाग व पुलिस विभाग संयुक्त रूप से अवैध कच्ची शराब की भट्टियो को हटाने तथा सम्बन्धित के विरुद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया कि मेडिकल स्टोरो पर यह सुनिश्चित करे कि प्रतिबन्धित दवायियों की ब्रिकी न होने पाए। वन विभाग के क्षेत्रो में भी अभियान चलाकर निगरानी रखी जाए वन क्षेत्र कतिपय गांवो में अवैध कच्ची शराब बनाने की शिकायते यदि मिलती है तो उन पर कड़ी कार्यवाही की जाए। संयुक्त निदेशक अभियोजन को निर्देशित करते हुए कहा कि एन०डी०पी०एस० के तहत मुकदमों में कड़ी पैरवी करते हुए दोषियो को कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जाए। मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया कि अवैध शराबध्मादक पदार्थ के सेवन से प्रभावित व्यक्ति यदि अस्पतालो में उपचार कराने आता है तो उसे प्रभावी ढंग से समुचित उपचार दिया जाए तथा किसी शराब माफिया अथवा शराब माफिया के संलिप्ता के शंका पाई जाती है तो तत्काल पुलिस को भी सूचना दी जाए। बैठक में अपर जिलाधिकारी वि०ध्वा० विनोद कुमार सिंह, नगर मजिस्ट्रेट अविनाश सिंह, संयुक्त निदेशक अभियोजन गजराज मिश्रा, क्षेत्राधिकारी नगर, मुख्य चिकित्साधिकारी डा० कीर्ति कुमार मिश्रा, के अलावा अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहें।



महंगाई, बेरोजगारी को लेकर धरना-प्रदर्शन

जौनपुर। बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, अपराध, सरकारी क्षेत्रों के निजीकरण, पेपर लीक, सरकारी स्कूलों को बंद करने तथा जनवादी अधिकांशों पर बढ़ते हमले सहित अन्य जन समस्याओं के खिलाफ एस.यू.सी.आई (सी) पार्टी ने कलेक्ट्रेट परिसर, जौनपुर में धरना-प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री को सम्बोधित 1० सूत्री मांग पत्रलाघिकारी को सौंपा गया। वक्ताओं ने कहा कि, जहां एक तरफ नौकरी व रोजगार के अवसर कम होते जा रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ हमारे जिंदा रहने के लिए जरूरी वस्तुओं एवं सेवाओं के मूल्यों में लगातार वृद्धि होती जा रही है। सरकार की नीतियों का विनाशकारी प्रभाव छात्रों, महिलाओं, किसानों, सरकारी एवं निजी क्षेत्र में कार्यरत मजदूरों–कर्मचारियों, दिहाड़ी मजदूरों, छोटा–मोटा धंधा–ध्यापार करने वालों, रिश्ता–आँटो–टेम्पो चलाने वालों सभी पर पड़ रहा है। देशी–विदेशी बड़ी एवं एकाधिकार पूंजी को बढ़ावा देने की सरकार की नीति ने रोजगार देने वाले देश के सरकारी क्षेत्र, मध्य एवं लघु उद्योगों को विनाश की कगार पर पहुंचा दिया है। डबल इंजन सरकार की शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, श्रम, व्यापार, रोजगार आदि नीतियों का असर हम सभी स्पष्ट रूप से देख रहे हैं। छात्र, नौजवान, महिलाएं, किसान, व्यापारी, स्वरोजगार में लगे लोग सभी परेशान हैं और निराशा में आत्महत्या करने को विवश हो रहे हैं। सरकार पूंजीपतियों के स्वार्थ में जन विरोधी नीतियों को लागू कर रही है। परिणामस्वरूप जन समस्यायें लगातार बढ़ती जा रही है। प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। हिंसा, भ्रष्टाचार, चोरी, डकैती, हत्याओं को रोकने में प्रदेश सरकार पूरी तरह असफल रही है। अध्यक्षता श्रीपति सिंह व संचालन दिलीप कुमार खरवार ने किया।

विभिन्न पाठ्यक्रमों में हुई परीक्षा, 231 अनुपस्थित

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय में पीयूकैट–2026 के अंतर्गत मंगलवार को विभिन्न स्नातक एवं स्नातकोत्तर व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा तीन पालियों में कड़ी निगरानी और शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। परीक्षा का निरीक्षण कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह के निर्देश पर डीएसडब्ल्यू प्रोफेसर प्रमोद कुमार यादव एवं डॉ संजीव गंगवार की टीम ने परीक्षाओं का निरीक्षण किया।परीक्षा समन्वयक प्रोफेसर मिथिलेश सिंह के अनुसार प्रथम पाली में एमबीए की प्रवेश परीक्षा आयोजित हुई। इसमें पंजीकृत 566 अभ्यर्थियों में से 479 उपस्थित हुए, जबकि 87 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे।द्वितीय पाली में एलएलबी, एमसीए तथा एमएससी (रसायन विज्ञान) की प्रवेश परीक्षाएँ आयोजित की गईं। एलएलबी में पंजीकृत 69 अभ्यर्थियों में से 51 उपस्थित हुए तथा 18 अनुपस्थित रहे। एमसीए में 141 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 122 ने परीक्षा दी, जबकि 19 अनुपस्थित रहे। वहीं एमएससी (रसायन विज्ञान) में 74 अभ्यर्थियों में से 63 उपस्थित हुए तथा 11 अनुपस्थित रहे।तृतीय पाली अपराह्न 3 बजे से 5 बजे में बीकॉम, बीएससी (बायोटेक्नोलॉजी), एमएससी (बायोटेक्नोलॉजी) एवं एमएससी (जूलॉजी) की प्रवेश परीक्षाएँ संपन्न हुईं। बीकॉम में पंजीकृत 198 अभ्यर्थियों में से 175 उपस्थित हुए तथा 23 अनुपस्थित रहे। बीएससी (बायोटेक्नोलॉजी) में 220 अभ्यर्थियों में से 197 ने परीक्षा दी, जबकि 23 अनुपस्थित रहे। बीएससी (जेडबीसीएम) 140 में 112 लोगों ने परीक्षा दी। एमएससी (बायोटेक्नोलॉजी) में 92 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 75 उपस्थित हुए तथा 17 अनुपस्थित रहे। वहीं एमएससी (जूलॉजी) में 52 अभ्यर्थियों में से 47 ने परीक्षा दी और 5 अनुपस्थित रहे।

पथरगड्डी उखाड़ने में दो पर एफआईआर

जौनपुर। जफराबाद थाना क्षेत्र के मलहद गांव निवासी मोहम्मद हनीफ खां की शिकायत पर पुलिस ने पथरगड्डी उखाड़ने, गाली–गलौज और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में दो लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। मोहम्मद हनीफ खां के अनुसार, उनकी आराजी का बंटवारा उपजिलाधिकारी (न्यायिक) सदर के न्यायालय से हो चुका था। इसके बाद विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर पथरगड्डी की कार्रवाई की थी। आरोप लगाया गया कि चकमहमूदपुर निवासी आजाद खां उर्फ मोहम्मद आजाद पुत्र मुनीर तथा मोहम्मद इस्लाम उर्फ लल्लन पुत्र इब्राहीम ने राजस्व टीम द्वारा लगाए गए

रेल संरक्षा आयुक्तको दिया ज्ञापन

जौनपुर। रेल दोहरीकरण परियोजना के उद्घाटन के अवसर पर पहुंचे रेल संरक्षा आयुक्त को जज सिंह अन्ना ने जनहित से जुड़ी महत्वपूर्ण रेल एवं सड़क परियोजनाओं का ज्ञापन सौंपा।ज्ञापन में मुंगराबादहाटपुर रेलवे स्टेशन पर नीलांचल एक्सप्रेस एवं अर्चना एक्सप्रेस के ठहराव, पकड़ी, इटहरा–मंथारपुर, गरियांव बाजार एवं रामपुर चौथर में रेल अंडरपास निर्माण, तथा जंघई जंक्शन पर सेकंड साइड एंट्री गेट की प्रमुख मांगें शामिल थीं। ज्ञात हो कि किर रेल संरक्षा आयुक्त गौरा रेलवे स्टेशन से सुवंसा, मुंगरा बादशाहपुर, निमापुर, गरियांव होते हुए जंघई जंक्शन तक रेल दोहरीकरण का निरीक्षण एवं उद्घाटन करने पहुंचे थे।

पेपर लीक, बेरोजगारी और चुप विधायकों पर एनएसयूआई का हमला कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन कर सरकार को घेरा

सुल्तानपुर। पेपर लीक और बेरोजगारी के मुद्दे को लेकर एनएसयूआई ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट पर जोरदार प्रदर्शन किया। कार्यकर्ता शिक्षा मंत्री के पोस्टर लेकर पहुंचे और सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए विरोध दर्ज कराय। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे एनएसयूआई जिलाध्यक्ष मानस तिवारी ने सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि देश में युवाओं की आवाज दबाई जा रही है और हालात ऐसे बनाए जा रहे हैं मानो बिना घोषणा के आपातकाल जैसे हालात पैदा कर दिए गए हों। उनका कहना था

कि युवा बेरोजगारी, महंगाई और अवसरों की कमी से जुझ रहे हैं, जबकि सरकार उनकी मूलभूत जरूरतों और भविष्य को लेकर गंभीर नहीं दिख रही। मानस तिवारी ने सुल्तानपुर के भाजपा विधायकों को भी निशाने पर लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि जिले के जनप्रतिनिधि छात्रों के मुद्दों, भर्ती प्रक्रियाओं और पेपर लीक जैसे मामलों पर चुप्पी साधे हुए हैं। एनएसयूआई ने भाजपा के छात्र संगठन एबीवीपी पर भी सवाल उठाए। मानस तिवारी ने कहा कि छात्र हितों की बात करने वाला संगठन युवाओं के भविष्य से जुड़े मुद्दों पर मुखर नहीं दिख रहा और

द्राई सायकिल दिलाकर दिव्यांगो और वरिष्ठजनों के चेहरे पर मुस्कान लाने का सुखद प्रयास

सुल्तानपुर। विधायक एवं पूर्व मंत्री विनोद सिंह लगातार क्षेत्रवासियों की सेवा में तत्पर हैं और उनका प्रयास है कि वे हर किसी की मदद कर उनके चेहरे पर मुस्कान लाएं। इसी कड़ी में आज वे धनपतगंज ब्लॉक क्षेत्र के कोरों तिराहा विद्यालय में दिव्यांगों और वरिष्ठजनों को द्राई सायकिल वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। दरअसल एलिम्को द्वारा केंद्र सरकार की राष्ट्रीय वायोश्री योजना के अंतर्गत इस निःशुल्क द्राई सायकिल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने केंद्र और प्रदेश सरकार की उपलब्धियों को जनता जनार्दन के समक्ष रखा, उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास के साथ साथ बीजेपी सरकार गरीबों को राशन, आवास, शौचालय के साथ साथ उनकी चिकित्सा, परिवार के वैवाहिक कार्यक्रम सहित तमाम निःशुल्क कल्याणकारी योजनाओं के जरिए सरकार लोगों की मदद कर रही है। हमारा उद्देश्य भी क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के साथ साथ लोगों की हर तरीके से मदद करना है, लेकिन ये तब संभव हुआ जब आप सब ने मुझे मौका दिया। मैं अपने कर्तव्य का निर्वहन शत प्रतिशत करने में लगा हुआ हूँ। आप सब साथ दीजिए तो जो संवोधित करते हुए उन्होंने केंद्र और प्रदेश सरकार की उपलब्धियों को जनता जनार्दन के समक्ष रखा, उन्होंने

संचारी रोगों की रोकयाम शासन की सर्वोत्त प्रायभिकता, सभी विभाग समन्वय के साथ निभाएं अपनी जिम्मेदारी -पवन कुमार गंगवार

मीरजापुर 30 जून 2026— जनपद में संचारी रोगों की रोकथाम एवं संचारी रोग नियंत्रण अभियान तथा दस्तक अभियान को प्रभावी एवं सफल बनाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद

कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप अभियान को पूरी गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ संचालित किया जाए, ताकि जनपद का कोई भी क्षेत्र अभियान से वंचित न रहे। मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा जिलाधिकारी को जानकारी देते हुए बताया कि दस्तक अभियान से सम्बन्धित ०4 जुलाई 2026 से 08 जुलाई 2026 तक आशा, आंगनबाड़ी व ए०एन०एम० को प्रशिक्षित किया जाएगा ताकि वे घर–घर जाकर दस्तक अभियान के

स्तरीय अंतर्भिभागीय जिला समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने अभियान की तैयारियों, विभागवार दायित्वों एवं कार्ययोजना की विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि संचारी रोगों पर प्रभावी नियंत्रण केवल स्वास्थ्य विभाग के प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि इसके लिए सभी विभागों को आपसी समन्वय, सक्रिय सहभागिता एवं उत्तरदायित्व के साथ कार्य करना होगा। उन्होंने

तहत आने वाले एंडीकेटर्स के बारे में जानकारी प्रदान की जा सके। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि दस्तक अभियान के अंतर्गत आशा, आंगनबाड़ी एवं स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर–घर जाकर संचारी रोगों के प्रति लोगों को जागरूक करें, बुखार से पीड़ित व्यक्तियों की पहचान करें तथा आवश्यकता पड़ने पर तत्काल जांच एवं उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित कराएं। साथ ही लोगों को स्वच्छता बनाए रखने, साफ पानी का उपयोग करने, जलभराव

1 जुलाई से स्कूली वाहनों की होगी सघन जांच

बिना फिटनेस–परमिट वाले वाहनों पर सख्त कार्रवाई

सुलतानपुर। स्कूली बच्चों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जनपद में 1 जुलाई से 15 जुलाई 2०२6 तक मिशन सेफ यूचर के तहत विशेष जांच अभियान चलाया जाएगा। अभियान के दौरान वेबे फिटनेस प्रमाणपत्र और परमिट वाले स्कूली वाहनों की सघन जांच की जाएगी तथा जिनमें का उल्लंघन मिलने पर मोटर वाहन अधिनियम के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) अलका शुक्ला ने बताया कि परिवहन आयुक्त, उत्तर प्रदेश के निर्देश पर संचालित इस अभियान का मुख्य उद्देश्य स्कूली बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। उन्होंने सभी वाहन स्वामियों से अपील की है कि जिन वाहनों की फिटनेस अथवा परमिट की अवधि समाप्त हो चुकी है, वे तत्काल उनका नवीनीकरण करा लें। अन्यथा जांच के दौरान उनके विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। एआरटीओ ने जनपद के सभी विद्यालयों के प्रधानाचार्यों और प्रबंधकों से भी कहा है कि विद्यार्थियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए केवल वैध फिटनेस और परमिट वाले वाहनों का ही संचालन सुनिश्चित करें। जिन वाहनों के दस्तावेजों की वैधता समाप्त हो चुकी है, उन्हें स्कूल परिवहन व्यवस्था में शामिल न किया जाए तथा संबंधित वाहन स्वामियों को शीघ्र नवीनीकरण कराने के निर्देश दिए जाएं। उन्होंने अभिभावकों से भी आग्रह किया कि वे अपने बच्चों को केवल ऐसे स्कूली वाहनों से ही विद्यालय भेजें, जिनके सभी आवश्यक दस्तावेज वैध हों। इससे बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी और किसी भी अप्रिय घटना की आशंका को कम किया जा सकेगा।

वहां मौजूद वरिष्ठ पात्रों और दिव्यांग जनों को द्राई सायकिल का वितरण किया। वहीं द्राईसाइकिल पाने के बाद लोगों को चेहरे खिल उठे और उन्होंने बीजेपी सरकार के साथ साथ विधायक विनोद सिंह का भी आभार व्यक्त किया। वहीं कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला पंचायत सदस्य धर्मेश मिश्रा, कोरो प्रधान शशिवल सिंह, आसरा संचालक सूरज कुमार, आदर्श आसरा टीम के सदस्य कुलदीप पाण्डेय, एलिम्को डॉक्टर की टीम सहित तमाम लोग मौजूद रहे। वहीं लाभ पाने वालों में अंबिका, अनुराधा, आश्मा बानो, घनश्याम, श्रीनाथ, पवन कुमार , मो वकील, मोहम्मद शबाब इत्यादि लोगों ने आभार व्यक्त किया है।

एक यूनिट रक्त बन सकता है जीवनदान

जौनपुर। एक यूनिट रक्त किसी दुर्घटना, सर्जरी या गम्भीर बीमारी से जुझ रहे व्यक्ति के लिये जीवनदान बन सकता है। किसी भी मानव जीवन को बचाने से बड़ा कोई पुण्य नहीं है। उक्त बातें अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद एवं राष्ट्रीय बजरंग दल के 9वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में चल रहे पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत मंगलवार को आयोजित दधीचि रक्तदान शिविर में प्रान्त कार्याध्यक्ष डा. वीरेन्द्र प्रताप सिंह ने कही। आईएमए के ब्लड बैंक में पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने रक्तदान किया। जहां दो दर्जन से अधिक लोगों ने रक्तदान किया जिन्हें ब्लड बैंक के प्रभारी डा. बीएन दुबे ने प्रमाण पत्र भी दिया। अहिप जिलाध्यक्ष अजय पाण्डेय ने कहा वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी रक्तदान एक बेहद सुरक्षित और सेहतमन्द प्रक्रिया है। इससे न केवल किसी जरूरतमन्द मरीज की जान बचती है।एबल्कि रक्तदाता के शरीर में नयी ऊर्जा का संचार भी होता है और हृदय स्वास्थ्य में सुधार होता है। रामप्रीत मिश्र उर्फ फलाहारी महाराज विभाग धर्माचार्य अहिप, राबद जिलाध्यक्ष जितेन्द्र बहादुर सिंह, विवेक उपाध्याय, सुधीर गुप्ता, सुधीर कुमार, कृष्ण कुमार उपाध्याय, गोविन्द गुप्ता, नागेन्द्र सिंह, आजाद शुक्ला, सुरेन्द्र प्रजापति, सचिन श्रीवास्तव, अवधेश चौहान, शनि श्रीवास्तव सहित तमाम पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इमाम हुसैन की शहादत ने करुणा का पैगाम दिया

जौनपुर । मस्जिद चहारसू रौजा मखदूम शाह अढहन में शेख नूरूल हसन मेमोरियल ट्रस्ट की जानिब से मजलिसे हजरत इमाम हुसैन की याद में बाद नमाजे मगरिबैन आयोजित की गई । इमामत मौलाना आबिद आगा खां नजफी साहब सुल्तानपुरी ने की ,मजलिसे को मौलाना सैय्यद इफ्तेखार अली जाफरी साहब पूना महाराष्ट्र ने खिताब करते हुए हजरत फात्मा को अल्लाह ने फजीलत दी है उसकी तफसीली हदीस पढी । उन्होंने कहा कि इमाम हुसैन की कर्बला में दी गई शहादत ने इन्सानि समाज में कुर्बानी,दया, करुणा का पैगाम दिया । इमाम हुसैन ने इन्सानियत के फलाह के लिए आपने 72 साथियों के साथ कर्बला में शहादत पेश की । इफ्तेखार जाफरी ने दस मोहर्रम को शहादत के हो जाने के बाद यजीदी फौज द्वारा उनके खानदान को गिरफ्तार करके कूफा और शाम सीरिया ले जाने पर किये गये जुल्म की दास्तान पढते हुए मसायब पढ़ें मोमनीन की आंखों अश्कबार हों गईं । बदरु जमा बन्ने ने सोज खानी की सैफ अब्बास ने पेश खानी की । मैनेजर शेख अली मंजर डेजी ने बताया कि यह तेरह मोहर्रम की मजलिसे का 38 वा दौर है । सैय्द परवेज हसन नेता, तालिब रजा शकीयल एडवोकेट, तहसीन अब्बास सोनी, सैय्द अहसन रिजवी नजमी, सैय्द असलम नकवी, मोहम्मद जाफर अब्बास नासिर रजा गुड्डू डाक्टर तकवीम रजा राहिल , अफरोज हुसैनी, नासिर अब्बास एडवोकेट इत्यादि लोग मौजूद थे।

यानाध्यक्ष पर अधिवक्ता खफा, किया प्रदर्शन

जौनपुर। मुकदमा दर्ज करने के नाम पर बक्सा थानाधक्ष पर पैसे मांगने का आरोप लगाते हुए मंगलवार को कलेक्ट्रेट के अधिवक्ताओं ने प्रदर्शन किया। अधिवक्ता पुलिस अधीक्षक कार्यालय के मुख्य गेट के सामने धरने पर बैठ गए और पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान अधिवक्ताओं ने पुलिस विरोधी नारे लगाए और बक्सा थानाध्यक्ष के तत्काल निलंबन की मांग की। अधिवक्ताओं का आरोप था कि मुकदमा दर्ज करने के लिए अवैध धनराशि की मांग की गई, जिससे अधिवक्ताओं में भारी आक्रोश है।धरने और प्रदर्शन की सूचना मिलते ही मौके पर सीओ सिटी और सिटी मजिस्ट्रेट पहुंचे। दोनों अधिकािरियों ने अधिवक्ताओं से वार्ता कर उनकी शिकायत सुनी और निष्पक्ष जांच तथा उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया।अधिकािरियों के आश्वासन के बाद अधिवक्ताओं ने धरना समाप्त किया। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि मामले में दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

हत्या का मुकदमा दर्ज करने की मांग

जौनपुर। थाना केराकत क्षेत्र के ग्राम सरकी निवासी रामसकल पुत्र गदऊ ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को प्रार्थना पत्र भेजकर अपने पुत्र भानुप्रताप की सद्विध मौत के मामले में हत्या का मुकदमा दर्ज कर कठोर कार्रवाई की मांग की है। आरोप लगाया गया है कि उनका पुत्र एक टेंट व्यवसायी के यहां कार्य करता था। 25 मई को उसे काम के बहाने बुलाया गया, जिसके बाद उसकी हालत गंभीर हो गई। परिजन उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तथा बाद में अस्पताल ले गए, जहां उसकी मृत्यु हो गई।पीड़ित परिवार का आरोप है कि घटना के बाद उन्होंने कई बार पुलिस एवं संबंधित अधिकारियों से शिकायत की, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। प्रार्थी ने यह भी आरोप लगाया है कि आरोपित पक्ष द्वारा परिवार को धमकियां दी गईं तथा समझौते का दबाव बनाया गया।मुख्यमंत्री को भेजे गए प्रार्थना पत्र में मांग की गई है कि मामले की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराई जाए, दोषियों के विरुद्ध हत्या का मुकदमा दर्ज किया जाए तथा पीड़ित परिवार को न्याय दिलाया जाए।

कल्याण दिवस’ के रूप में मनी भामाशाह की जयन्ती

जौनपुर। महान राष्ट्रभक्त और दानवीर शिरोमणि भामाशाह की जयंती को ‘व्यापारी कल्याण दिवस’ के रूप में बेहद हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। राज्य कर विभाग जौनपुर द्वारा आयोजित इस भव्य समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय राज्यमंत्री खेल एवं युवा कल्याण विभाग, गिरीश चन्द्र यादव तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. उपस्थित रहे। राष्ट्र निर्माण में व्यापारियों की भूमिका को रेखांकित करते हुए दानवीर शिरोमणि भामाशाह के जीवन परिचय पर विस्तार से प्रकाश डाला गया और उनके महान कृत्यों को याद किया गया। समारोह की शुरुआत में विभाग की ओर से उपायुक्त अक्षय लाल ने सभी आंगतुकों और अतिथियों का स्वागत किया। इसके बाद विभिन्न व्यापारिक संगठनों द्वारा मुख्य अतिथि का माल्यार्पण कर भव्य अभिनंदन किया गया। जनपद के आर्थिक विकास में बहुमूल्य योगदान देने वाले विभिन्न श्रेणियों के ०8 बड़े करदाताओं को मुख्य अतिथियों द्वारा स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र देकर विशेष रूप से सम्मानित किया गया। संचालन उपायुक्त राज्य कर वरुण कुमार त्रिपाठी द्वारा किया गया।

समग्र हिंदुत्व की राह पर भाजपा

प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की नई टीम में सपा के पीडीए की धार कुंद करने का प्रयास किया गया है। राज्य में भाजपा का संगठन 6 क्षेत्रों में विभाजित है। इनमें पश्चिम नवाब सिंह नागर को, ब्रज क्षेत्र में पूरन लाल लोधी तथा कानपुर क्षेत्र में राम किशोर साहू अध्यक्ष बने हैं। काशी क्षेत्र के अध्यक्ष अशोक चौरसिया बनाए गए हैं।वर्ष 2027 के विधानसभा चुनावों के दृष्टिगत उत्तर प्रदेश में सभी राजनैतिक दलों ने अपनी चुनावी तैयारियों के और मुद्दों को अंतिम रूप देना प्रारंभ कर दिया है। इसी क्रम में भारतीय जनता पार्टी ने अपनी बहुप्रतीक्षित कार्यकारिणी भी घोषित कर दी है। माना जा रहा है कि भाजपा की यह टीम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व केंद्रीय नेतृत्व की पसंद से चुनी गई है किन्तु इसमें राष्ट्रीय

पारंपरिक और सोशल मीडिया दोनों पर लड़ा जाता है। चुनावी जंग जीतने में मीडिया व सोशल मीडिया भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पश्चिम बंगाल चुनावों में नैरेटिव युद्ध ने भाजपा की



करके ही लड़ा जाएगा। प्रदेश में योगी जी का “एक रहेंगे तो नेक रहेंगे” तथा “बटेंगे तो कटेंगे” का नारा फिर चलने वाला है। प्रदेश के आम हिन्दू जनमानस को योगी जी पर

पूरा भरोसा है विशेषकर कानून व्यवस्था व नारी सुरक्षा आदि विषयों के कारण। प्रदेश अध् यक्ष पंकज चौधरी की नई टीम में सपा के पीडीए की धार कुंद करने का प्रयास किया गया है। राज्य में भाजपा का संगठन 6 क्षेत्रों में विभाजित है। इनमें पश्चिम नवाब सिंह नागर को, ब्रज क्षेत्र में पूरन लाल लोधी तथा कानपुर क्षेत्र में राम किशोर साहू अध्यक्ष बने हैं। काशी क्षेत्र के अध्यक्ष अशोक चौरसिया बनाए गए हैं। अवध के क्षेत्रीय अध्यक्ष अवधेश द्विवेदी बने हैं। गोरखपुर क्षेत्र की कमान विनोद राय को मिली है जो भूमिहार हैं। प्रदेश में 19 उपाध्यक्ष बनाए गए हैं और इनमें भी ओबीसी वर्ग को प्राथमिकता दी गई है। 8 महामंत्रियों में अभी सूची मे भी 4 ओबीसी वर्ग के हैं। प्रदेश भाजपा कार्यकारिणी के चयन में सामाजिक संतुलन के

साथ—साथ क्षेत्रीय संतुलन साधने का प्रयास भी किया गया है। सपा छोड़कर भापजा मे शामिल हुई पूजा पाल को प्रयागराज में जिम्मेदार दी गई है। एक समय प्रयागराज में माफिया अतीक अहमद का आतंक था और उस पर पूजा पाल के पति राजू पाल की हत्या का आरोप था। भाजपा ने अपनी कार्यकारिणी के माध्यम समुदाय से तीन नेताओं को उपाध् यक्ष बनाया है जाट, कुर्मी, यादव और पाल समाज से भी उपाध्यक्ष बनाया गया ।भाजपा की कार्यकारिणी से प्रतीत हो रहा है कि भाजपा के तरकश में अभी कई तीर छिपे हैं। यह बात तो तय हो गई है कि अब भाजपा समग्र हिंदुत्व की राजनीति करने

जा रही है। भाजपा व संघ द्वारा अब प्रदेश में बंगाल की ही तरह 94 प्रतिशत हिंदू मतदाताओं को एकजुट करने का प्रयास किया जाएगा। भाजपा कार्यकारिणी की सूची आते ही सपा, बसपा व कांग्रेस की राजनीतिक हलचलें भी तेज हो गई है। यह चर्चा भी सुनी जा रही है कि भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों के चुनाव वर्ष 2026 के अक्टूबर– नवंबर में भी करवा सकता है क्योंकि आगे जनगणना का वृहद अभियान चलना है। साथ ही भारतीय जनता पार्टी पश्चिम बंगाल तथा असम सहित कई राज्यों के निकाय चुनावों में लगातार मिल रही सफलता से उत्साहित है और अपनी विजय का संवेग बनाए रखने के लिए के लिए विपक्ष को तैयारी के लिए समय नहीं देना चाहती।

सम्पात्कीय

एल नीन्यो का उभार

इस बार मॉनसून कमजोर रहने की आशंका है। इस चुनौती के मद्देनजर सरकार ने क्या एहतियातन कदम उठाए हैं, इस बारे में उसे देश को भरोसे में लेना चाहिए, ताकि लोग घबराहट से बच सकें।मौसम को लेकर आशंकाएं बढ़ रही हैं। आधा जून गुजर चुका है और अटके मॉनसून के आगे बढ़ने की संभावना नहीं दिख रही है। मौसम विभाग के मुताबिक मानसूनी बारिश में अब तक 35 प्रतिशत की कमी दर्ज हो चुकी है। वैसे इस समय तक ऐसा होना असामान्य नहीं है, मगर चिंता बढ़ाने वाला पहलू एन नीन्यो परिघटना का सक्रिय हो जाना है। अमेरिका के राष्ट्रीय महासागरीय एवं वातावरणीय प्रशासन (एनओए) ने 11 जून को एलान कर दिया कि भू–मध् यरेखा के पास प्रशांत महासागर में एन नीन्यो का उभार हो चुका है।एल नीन्यो प्रशांत महासागर में होने वाले उस बदलाव को कहते हैं, जिससे समुद्र का पानी असामान्य रूप से गर्म हो जाता है। इसका दुनिया भर के मौसम पर असर पड़ता है और भारत में अक्सर सूखा या कम बारिश होती है। 1951 के बाद से 17 बार एन नीन्यो का उभार हुआ है, उनमें से 12 बार भारत में सामान्य से कम बारिश हुई है। एनओए ने 1951 के बाद 17 में छह एन नीन्यो को श्रुति शक्तिशालीघ श्रेणी में रखा है। उसने कहा है कि इस बार का एन नीन्यो के भी श्रुति शक्तिशालीघ होने की संभावना है। भारत में धान, दलहन, और सब्जियों की खेती मानसूनी बारिश पर काफी हद तक निर्भर रहती है। कम बारिश होने पर डेयरी क्षेत्र भी प्रभावित होता है। इसके अलावा भू–जल के स्वरथ् स्तर के लिए भी पर्याप्त बारिश अनिवार्य है। कम बारिश होने का पनबिजली परियोजनाओं पर भी खराब असर होता है। इसलिए बन रही रिश्तियां को लेकर एहतियाती कदम उठाने की अवश्यकता है। भारत के मौसम विभाग ने सामान्य की तुलना में 90 फीसदी तक ही बारिश होने का अनुमान लगाया है। लेकिन संभव है कि यह उत्ससे भी कम हो। और ये चुनौती उस समय आई है, जब ईशान युद्ध के कारण उर्वरकों के अभाव और महंगाई की समस्या पहले से मंडरा रही है। इसलिए ये सवाल अहम है कि इन चनौतियों का सामना करने के लिए सरकार ने क्या एहतियातन कदम उठाए हैं? इस बारे में उसे देश को भरोसे में लेना चाहिए, ताकि लोग घबराहट से बच सकें।

डिजिटल इंडिया के 11 वर्ष र डिजिटल क्रांति से सशक्तहुआ भारत

0–11 वर्षों में शासन, भुगतान, शिक्षा, स्वास्थ्य और कृ षि तक डिजिटल पहुंच का अभूतपूर्व विस्तार डिजिटल इंडिया कार्यक्रम 1 जुलाई 2026 को अपने 11 वर्ष पूरे कर रहा है। वर्ष 2015 में शुरू हुई इस महत्वाकांक्षी पहल ने भारत में नागरिकों के जुड़ने, सीखने, लेन–देन करने और सरकारी सेवाओं का लाभ लेने के तरीके में व्यापक बदलाव किया है। आज भारत दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल सार्वजनिक अवसरंचना (डीपीआई) तंत्रों में से एक विकसित कर चुका है। डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, कौशल विकास, बैंकिंग और कल्याणकारी योजनाओं की पहुंच विशेष रूप से ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों तक सुनिश्चित हुई है। डिजिटल इंडिया ने सरकारी सेवाओं को अधिक पारदर्शी, तेज, सरल और नागरिक–केंद्रित बनाया है। पहले जहां सरकारी सेवाओं के लिए लंबी कतारें, कागजी प्रक्रिया और कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते थे, वहीं अब अधिकांश सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध हैं। डिजिटल अवसरंचना में निवेश के कारण गांवों से लेकर शहरों तक इंटरनेट कनेक्टिविटी मजबूत हुई है और किरफायती इंटरनेट ने डिजिटल तकनीक को आम नागरिक तक पहुंचाया है। पिछले एक दशक में भारत डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में वैश्विक अग्रणी बनकर उभरा है। एकीकृत भुगतान अंतरफलक (यूपीआई) के माध्यम से विश्व के लगभग 49 प्रतिशत रियल–टाइम डिजिटल भुगतान हो रहे हैं। देश की डिजिटल अर्थव्यवस्था सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में लगभग 12 से 14 प्रतिशत का योगदान दे रही है, जिसके अगले दशक में लगभग 20 प्रतिशत तक पहुंचने की संभावना है।डिजिटल इंडिया के नौ प्रमुख स्तंभडिजिटल इंडिया कार्यक्रम नौ प्रमुख स्तंभों पर आधारित है, जिनका उद्देश्य डिजिटल पहुंच, सुशासन और तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देना है।ब्रॉडबैंड राजमार्गभारतनेट परियोजना के तहत जनवरी 2026 तक लगभग 2.15 लाख ग्राम पंचायतों को ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क से जोड़ा जा चुका है। लगभग सात लाख किलोमीटर ऑप्टिकल फाइबर बिछाई गई है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में ई–शासन, ऑनलाइन शिक्षा, टेली–चिकित्सा और डिजिटल भुगतान को गति मिली है।सभी तक मोबाइल संपर्कमार्च 2026 तक देश में ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या बढ़कर 106.58 करोड़ हो गई है, जिससे अंतिम छोर तक डिजिटल संपर्क मजबूत हुआ है।सार्वजनिक इंटरनेट पहुंचदेशभर में 6. 5 लाख से अधिक सामान्य सेवा केंद्र तथा 1.6 लाख डाकघर डिजिटल सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। ये केंद्र ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग, प्रमाण–पत्र, सरकारी योजनाओं और अन्य नागरिक सेवाओं की आसान पहुंच सुनिश्चित कर रहे हैं।

आधुनिक विश्व व्यवस्था की एक खामी यह है कि यहां कानून की भाषा अलग होती है। दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि कानूनी भाषा जटिल होती है और उसके शब्द जाल को आम आदमी नहीं समझ पाता। इसी आधार पर उसकी अवधारणाएं विकसित होती हैं और फिर वह किसी विषय का व्यवस्था को लेकर अपनी राय बनाता है। पिछले कुछ वर्षों में पासपोर्ट हासिल करना आसान हो गया है। इसकी वजह तकनीकी क्रांति तो है ही, लेकिन सरकारी नीतियों ने भी आम आदमी के लिए पासपोर्ट बनवाने की प्रक्रिया को आसान किया है। पासपोर्ट हासिल करने के कठिन दौर से लेकर आसानी से प्राप्त होने के मौजूदा दौर में, आम नागरिक इसे अपनी नागरिकता का एक वैध दस्तावेज मानता रहा है। लेकिन पासपोर्ट सेवा दिवस के मौके पर भारतीय विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के पासपोर्ट को लेकर दिए बयान ने विवाद खड़ा कर दिया है। इस अधिकारी के मुताबिक, भारतीय पासपोर्ट सिर्फ विदेश यात्रा के लिए एक दस्तावेज तो है, भारतीय नागरिकता का सबूत नहीं। जहां पासपोर्ट हासिल करने को चार धाम यात्रा जैसी उपलब्धि ा माना जाता रहा हो, जहां किसी व्यक्ति की पहचान के लिए मजबूत

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सरल, सादगी और संवेदनशीलता के साथ विकास यात्रा का सशक्तनेतृत्व

तेजबहादुर सिंह भुवाल किसान परिवार से निकलकर छत्तीसगढ़ प्रदेश के सर्वोच्च नेतृत्व तक पहुंचने वाले मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने सरल व्यक्तित्व, विनम्र व्यवहार और जनसेवा की भावना से जनता के बीच एक अलग पहचान बनाई है। मुख्यमंत्री साय का सार्वजनिक जीवन सादगी, जनसेवा और समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने के संकल्प का प्रतीक माना जाता है। लंबे समय तक जनप्रतिनिधि के रूप में कार्य करते हुए उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों, किसानों, वनवासियों, युवाओं, महिलाओं और वंचित वर्गों की समस्याओं को निकट से समझा और उनके समाधान के लिए निरंतर प्रयास किए हैं। सत्ता के शीर्ष पद पर होने के बावजूद उनकी सादगी और सरलता आज भी उनकी सबसे बड़ी ताकत है।मुख्यमंत्री साय आम जनता से सीधे संवाद को लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति मानते हैं। जनदर्शन, सुशासन तिहार और विभिन्न जनसंपर्क कार्यक्रमों के माध्यम से वे स्वयं लोगों की समस्याएं सुनते हैं और उनके समाध् ान के लिए त्वरित पहल करते हैं। बुजुर्गों के प्रति सम्मान, बच्चों के प्रति स्नेह तथा जरूरतमंदों की सहायता के लिए तत्परता उनके व्यक्तित्व की विशेष पहचान है।आदिवासी समाज से आने वाले मुख्यमंत्री साय अपनी संस्कृति, परंपराओं और मूल्यों से गहराई से जुड़े हुए हैं। गांवों में बैठकर लोगों से चर्चा करना, उनकी समस्याओं को समझना और विकास योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है।पिछले द्वाई वर्षों में छत्तीसगढ़ सरकार ने जनकल्याण, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, अधासंरचना, निवेश

और सुशासन के क्षेत्र में अनेक महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। सरकार का लक्ष्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना रहा है।राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना के माध्यम से लाखों महिलाओं को 1000 रुपए प्रतिमाह आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। इस वित्तीय वर्ष 2026–27 के लिए छत्तीसगढ़ सरकार ने 8,200 करोड़ रुपये के रूप में महतारी वंदन योजना के लिए आवंटित किया है। महतारी वंदन योजना छत्तीसगढ़ में महिलाओं के स्वावलंबन, स्वास्थ्य और सामाजिक सशक्तिकरण के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है, जो लाखों महिलाओं के जीवन स्तर में सुध ार ला रही है।छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था की रीढ़ किसान हैं। राज्य सरकार ने धान खरीदी को प्राथमिकता देते हुए किसानों से 3100 रुपये प्रति किंटल की दर से धान खरीदी सुनिश्चित की तथा लाखों किसानों को आर्थिक लाभ पहुंचाया।प्रदेश में गरीब और जरूरतमंद परिवारों को पक्का घर उपलब्ध कराने की दिशा में सरकार ने बड़ी पहल करते हुए लाखों आवासों को स्वीकृति प्रदान की। इससे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में आवासीय सुविधाओं का विस्तार हुआ है। प्रधानमंत्री आवास योजना के क्रियान्वयन में छत्तीसगढ़ ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। तेज गति से चल रहे निर्माण कार्यों के चलते प्रदेश में लाखों जरूरतमंद परिवारों का पक्के घर का सपना साकार हो रहा है। बस्तर के जंगलों में उत्पादित होने वाले तेंदूपत्ता, आदिवासी समाज की जिंदगी का अहम हिस्सा है। इसी दूपत्ता के सहारे हजारों गांवों में गर्मियों के महीनों में रोजगार मिलता है। इस काम में बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल होती हैं, जिससे परिवार की कुल आय में संतुलन बनता है। यही वजह है कि तेंदूपत्ता संग्रहण को सरकार ग्रामीण रोजगार का मजबूत जरिया मानती है। राज्य सरकार ने तेंदूपत्ता संग्राहकों को बड़ी रहत देते हुए तेंदूपत्ता संग्रहण दर में अहम बदलाव किया है। पूर्व में मिलने वाली राशि को 4,000 रुपये से बढ़ाकर 5,500 रुपये किया है। यह बढ़ोतरी सीधे–सीधे संग्राहकों लाभ पहुंचा रही है। जानकारों के अनुसार पहले बढ़ती महंगाई के मुकाबले संग्रहण की दर कम पड़ रही थी, लेकिन नई दर से मजदूरी और मेहनत का बेहतर मूल्य मिल सका है।मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार सुरक्षा के साथ–साथ संवेदनशील पुनर्वास और विकास पर भी समान रूप से कार्य कर रही है। नक्सली सरेंडर, विकिटम रिलीफ एंड रिहैबिलिटेशन पॉलिसी–2025 के तहत आत्मसमर्पित नक्सलियों को वित्तीय सहायता, कौशल विकास प्रशिक्षण, रोजगार के अवसर तथा आवास जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराकर उन्हें सम्मानजनक और मुख्यधारा से जुड़ा जीवन प्रदान किया जा रहा है।एक नवंबर 2024 से लागू छत्तीसगढ़ सरकार की नई औद्योगिक नीति 2024–30 राज्य को निवेश और उद्योगों के लिए नई पहचान दे रही है। न्यूनतम शासन, अधिकतम प्रोत्साहन के सिद्धांत पर आधारित यह नीति उद्योग स्थापना की प्रक्रिया को

कि उसके लिए पासपोर्ट जारी करना व्यापक जनहित में जरूरी है। इस कानून से साफ है कि पासपोर्ट और नागरिकता दो अलग अलग चीजें हैं। बेशक भारतीय पासपोर्ट सिर्फ भारतीयों को ही मिलता है, लेकिन यह पत्थर की लकीर जैसा नियम नहीं है। भारत अधिनियम की धारा 20 भारत सरकार को छूट देती है कि व्यापक जनहित में वह भारतीय नागरिक ना होने के बावजूद किसी व्यक्ति को पासपोर्ट जारी कर सकती है। दक्षिण–एशियाईऔर प्रवासीविदेश मंत्रालय के अधिकारी के बयान पर भले ही विवाद खड़ा हुआ हो, लेकिन पासपोर्ट के जरिए नागरिकता प्रमाणित करने के तीन अभियुक्तों समेत चार लोगों के दावे को बांबे हाईकोर्ट 2013 में ही खारिज कर चुका है। उन्होंने पेनी नागरिकता के लिए पासपोर्ट पेश किया था। बांबे हाईकोर्ट ने दो सितंबर 2013 के अपने फैसले में साफ कर दिया था कि अगर आपका जन्म 1987 के बाद हुआ है तो पासपोर्ट को अपनी नागरिकता के प्रमाण पत्र के रूप में नहीं पेश कर सकते। वैसे आध् ार कार्ड का कानून भी मानता है कि आधार कार्ड सिर्फ निवास और पहचान का प्रमाण है,

नागरिकता का नहीं। आधार कानून 2016 की धारा में साफ लिखा है कि आधार कार्ड से नागरिकता नहीं बजाय सिर्फ निवास स्थान और पहचान प्रमाणित होता है। इसकी वजह यह है कि आधार कानून के तहत 182 दिनों तक भारत में लगातार रहने वाले व्यक्ति को सरकार चाहे तो आध् ार कार्ड जारी कर सकती है। इसी आधार पर सर्वोच्च न्यायालय भी इसे नागरिकता का प्रमाण मानने से इनकार कर चुका है। इसी तरह पेन कार्ड के लिए भी व्यवस्था दी गई है। पेन कार्ड का कानूनी आधार है कि व्यक्ति अर्जन कर रहा है और टैक्स दे रहा है। आधुनिक विश्व व्यवस्था की एक खामी यह है कि यहां कानून की भाषा अलग होती है। दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि कानूनी भाषा जटिल होती है और उसके शब्द जाल को आम आदमी नहीं समझ पाता। इसी आधार पर उसकी अवधारणाएं विकसित होती हैं और फिर वह किसी विषय का व्यवस्था को लेकर अपनी राय बनाता है। प्रधानमंत्री मोदी को इन जटिलताओं की समझ है, शायद यही वजह है कि उनके कार्यकाल में देश के सैकड़ों गैरजरूरी कानूनों को या तो रद्द किया गया है या फिर कुछ नए संदर्भों वाले कानूनों में समाहित कर दिया गया है। आज के दौर में नागरिकता के दस्तावेज के रूप जब पासपोर्ट, आधार कार्ड , पेन कार्ड या मतदाता पहचान पत्र को आखिरी और अंतिम प्रमाण मानने से इनकार किया जाता है तो अपनी लोक और आम धारणा के चलते आम

आदमी इसके विरोध में उतर आता है। यही वजह है कि जब मतदाता सूचियों के विशेष गहन परीक्षण यानी एसआईआर के दौरान इन दस्तावेजों को आखिरी दस्तावेज मानने से इनकार किया गया तो इसका विरोध शुरू हुआ था। कुछ इसी अंदाज में पासपोर्ट पर विदेश मंत्रालय के अधिकारी के बयान पर भी विवाद शुरू हो गया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने पूछ लिया है कि पासपोर्ट बनाने से पहले पुलिस जब व्यक्ति का सत्यापन करती है तो आखिर वह किसका सत्यापन करती है और क्यों करती है? उनका यहां तक कहना है कि इससे लोगों के मन में यह भी संदेह उत्पन्न हो सकता है कि गैर भारतीयों को भी पासपोर्ट दिए जा रहे हैं? इन पंक्तियों के लिखे जाने तक भारत सरकार की ओर से नगारकिता के प्रमाण को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। लेकिन सवाल यह है कि आखिर जब पासपोर्ट मान्य नहीं, मतदाता पहचान पत्र और आधार कार्ड पर भरोसा नहीं और पेन कार्ड मान्य नहीं तो फिर आम नागरिक अपनी नागरिकता को कैसे साबित करे। निश्चित तौर पर इसका भी सरकारी व्यवस्था में है। 20 दिसंबर, 2019 को राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर यानी एनआरसी से जुड़े एक सवाल के जवाब में भारत सरकार के प्रवक्ता ने कहा था, श्जन्य की तारीख और जन्म–स्थान से जुड़े कोई भी दस्तावेज जमा करके नागरिकता साबित की जा सकती है।

आज का राशिफल

मेष राशि—

आज का दिन आपके लिए खुशहाल रहने वाला है। आज ऑफिस में आप किसी कलीग के काम में मदद करेंगे।

वृष राशि—

आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज आप जिस काम को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे थे वह आज पूरा हो जायेगा, आपका कॉन्फिडेंस बढ़ेगा।

मिथुन राशि—

आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आपका कोई खास मुद्दा सुलझ सकता है।

कर्क राशि—

आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आज आपका मन धार्मिक गतिविधियों में लगेगा आप किसी मंदिर जायेंगे।

सिंह राशि—

आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। आज आप अपने कामकाज में थोड़ा व्यस्त रह सकते हैं

कन्या राशि—

आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप अपने सरल स्वभाव के कारण मिलने—जुलने वाले लोगों से अच्छा लाभ उठाएंगे।

तुला राशि—

आज का दिन आपके लिए ठीक—ठाक रहने वाला है। घरवालों की इच्छा पूरी करने की आप पूरी कोशिश करेंगे।

वृश्चिक राशि—

आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। आज किसी रिश्तेदार की अचानक मुलाकात से आपको बेहद खुशी मिलेगी। धनु राशि—

आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आज आपको कार्यक्षेत्र में कुछ नए काम भी दिए जा सकते है।

मकर राशि—

आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। आज आपकी संतान में कुछ पॉजिटिव चेंजेस आने की वजह से आपको खुशी होगी।

कुंभ राशि—

आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आपके किसी काम में कलीग की सहायता मिलेगी, काम समय से पूरा हो जायेगा।

मीन राशि—

आज का दिन आपके लिए ताजगी से भरा रहने वाला है। आज ऑफिस में काम को लेकर आपकी अहमियत बढ़ेगी।

आंधी-तूफान की आफत कहीं पेड़ गिरे तो कहीं बिजली के पोल, कोई खुलें आसमां के नीचे बिताई रात कोई करता रहा रतजगा, सभी को है मदद की दरकार

मीरजापुर। मौसम के मिजाज में लगातार हो रहे परिवर्तन ने जनमानस को विचलित कर रखा है तो दूसरी ओर मौसम के कोप का शिकार हुए कुछ लोगों को खुले आसमां के नीचे रहने को विवश होना पड़ रहा है। जिले के लालगंज तहसील अन्तर्गत सरहरा बरडीहा गांव में आंधी तूफान के साथ रविवार की रात हुई बारिश ने आफत बरसाया है। गांव निवासी दलित जगजीवन और किशुनलाल के कच्चे मकान पर आम और लिपट्स का विशाल पेड़ गिरने से घर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है। संयोग ठीक रहा है कि किसी अनिष्ट की आशंका को भांप परिवार के लोग बाहर आ गए थे वरना किसी अनिष्ट से इंकार नहीं किया जा सकता था। बताया जा रहा है कि जगजीवन रोजी-रोटी के लिए बाहर चले गये थे जबकि घर पर उनकी पत्नी बेटी व बेटा मौजूद रहे हैं। घर के बाहर उनकी भैंस व बकरी बंधी हुई थी जो पेड़ गिरने पर उसकी जड़ में आ गयी थीं। पेड़ गिरने से क्षतिग्रस्त हुए घर को देख परिजनों ने रात खुले आसमान के नीचे बिताई है। ‘मदद के नाम पर जिम्मेदार बने हुए हैं उदासीन’बताते चले कि पिछले महीने आए तेज आंधी तूफान के दौरान भी जगजीवन और किशुन लाल के कच्चे मकान पर बड़ा लिपट्स का पेड़ देखते–देखते धराशायी हो गया था जिसे हटवाएं जानें का आज तक कार्य नहीं किया गया है। चूँकि पीड़ित परिवार दलित और गरीब है इस लिए किसी ने अभी तक उधर झांकना भी गंवारा नहीं समझा है। पीड़ित परिवार के बगल में प्रधान का घर पर नहीं ली सुघ’ आश्चर्य कि बात है कि पीड़ित परिवार के बगल में ही बरडीहा ग्राम प्रधान का घर है लेकिन आज तक उन्होंने भी मौके पर जाकर प्रभावित परिवार के नुकसान का मूल्यांकन कराने और हलिया विकास खंड के अधिकारियों से लगाए तहसील क्षेत्र के राजस्व निरीक्षक को अवगत कराने की जहमत उठाई है, जबकि जिला प्रशासन का सख्त निर्देश है कि आंधी–तूफान बरसात और आकाशीय बिजली से प्रभावित लोगों को हर संभव मदद पहुंचाई जाए।

परीक्षा में लापरवाही पर होगी कड़ी कार्रवाई, सुरक्षा एवं गोपनीयता से कोई समझौता नहीं-डीएम रविन्द्र कुमार

आजमगढ़ (आर एन एस)जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद के 14 परीक्षा केंद्रों पर दिनांक 2, 3 व 4 जुलाई 2026 को आयोजित होने वाली उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (न्य्चम्प)–2026 को सफुल्ल, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं नकलविहीन संपन्न कराने के उद्देश्य से सेक्टरेड स्टैटिक मजिस्ट्रेट एवं केंद्र व्यवस्थापकों के साथ बैठक की गई विस्तृत समीक्षा करते हुए कि जनपद में 02 एवं 03 जुलाई, 2026 को दो पालियों में तथा 04 जुलाई, 2026 को एक पाली में यूपीटीईटी–2026 परीक्षा आयोजित की जाएगी। परीक्षा जनपद के 14 परीक्षा केंद्रों पर संपन्न होगी, जिसमें प्रत्येक पाली में 6432 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे। उन्होंने कहा कि परीक्षा की शुचिता एवं गोपनीयता बनाए रखना सभी अधिाकारियों की सर्वोच्च प्राथमिकता होगी।बैठक में परीक्षा की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को आयोग एवं शासन द्वारा जारी दिशा–निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा की परीक्षा को पूरी गंभीरता के साथ संपन्न कराये। किसी भी स्तर पर शिथिलता एवं लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा की परीक्षा के दिन जनपद में कहीं भी ट्रैफिक जाम की समस्या नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि गर्मी के दृष्टिगत प्रत्येक परीक्षा केंद्रों पर शीटल पेयजल एवं विद्युत की पर्याप्त व्यवस्था होनी चाहिए। सभी अधिकारीधर्मचारी निर्धारित समय से परीक्षा को दिन आरंभ–अपने ड्यूटी पॉइंट पर पहुंचना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने

मानव तस्करी मामले में बड़ी सफलता, नाबालिग को राजस्थान में बेचने की आरोपी महिला गिरफ्तार

आजमगढ़ (आर एन एस)जनपद के रौनापार थाना पुलिस ने मानव तस्करी के एक गंभीर मामले में प्रभावी कार्रवाई करते हुए लंबे समय से फरार चल रही महिला अभियुक्ता को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पर नाबालिग लड़की को बहला–फुसलाकर राजस्थान में बेचने की साजिश में शामिल होने का आरोप है।पुलिस के अनुसार, 12 अक्टूबर 2024 को रौनापार थाना क्षेत्र के एक व्यक्ति की तहरीर पर उसकी नाबालिग बहन को बहला–फुसलाकर भगा ले जाने के मामले में मुकदमा दर्ज किया गया था। विवेचना के दौरान पीड़िता के बयान, चिकित्सीय परीक्षण एवं आयु संबंधी अभिलेखों के आधार पर मामले में मानव तस्करी और पॉक्सो एक्ट की गंभीर धाराएं बढ़ाई गईं। जांच में सुनील यादव, अनिल यादव, पुष्पा, श्रीमती देवी तथा एक अज्ञात खरीदार की संलिप्तता सामने आई।इस मामले में मुख्य अभियुक्त सुनील यादव और अनिल यादव को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है, जबकि श्रीमती देवी की गिरफ्तारी भी पूर्व में हो चुकी थी। शेष वांछित सह–अभियुक्ता पुष्पा पुत्री श्रीराम की तलाश लगातार की जा रही थी।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) एवं क्षेत्राधिकारी सगड़ी के पर्यवेक्षण तथा थानाध्यक्ष रौनापार के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने सोमवार सुबह चिलबिली रोड स्थित सपहा पाठक तिराहे से आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद नियमानुसार उसके परिजनों को सूचना दी गई तथा उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।गिरफ्तार अभियुक्ता पुष्पा मूल रूप से ग्राम नकीब खोजौली, थाना रौनापार की निवासी है तथा वर्तमान में राजस्थान के चूरू जनपद के सरदारशहर थाना क्षेत्र स्थित खिलेरिया गांव में रह रही थी।

मलेशियाई नागरिक बनकर सरकारी योजनाओं का लाभ लेने वाले आरोपी की 2.33 लाख की अवैध धनराशि जप्त

आजमगढ़ थाना निजामाबाद पुलिस ने सरकारी योजनाओं में कथित ६ कोड़खड़ी कर अवैध रूप से प्राप्त ६ नराशि के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक आरोपी के बैंक खाते में जमा ६2,34,465 की धनराशि न्यायालय के आदेश पर जप्त कर ली है। यह राशि संबंधित सरकारी योजनाओं के खाते में जमा कराई जाएगी।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार के निर्देशन में चलाए जा रहे अपराध एवं आर्थिक अनियमितताओं के विरुद्ध अभियान के तहत हुई विवेचना में सामने आया

परिधि में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा–163 प्रभावी रहेगी। इस अवधि में ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा तथा आवश्यकता पड़ने पर फोटोस्टेट एवं कॉपी की दुकानें भी बंद रहेगी। परीक्षा केन्द्र परिसर में मोबाइल फोन, स्मार्ट वॉच, ब्लूटूथ, पेजर अथवा किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण एवं अन्य प्रतिबंधित सामग्री ले जाना पूर्णतः वर्जित रहेगा।जिलाधिकारी ने पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जाए तथा परीक्षार्थियों की सघन तलाशी के उपरांत ही प्रवेश दिया जाए। परीक्षा केंद्रों के आसपास कानून–व्यवस्था बनाए रखने तथा किसी भी प्रकार की अव्यवस्था अथवा नकल संबंधी गतिविधि पर तत्काल प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि परीक्षा की गोपनीयता, प्रश्नपत्रों की सुरक्षा, अभिलेखों के सुरक्षित संभारण तथा आयोग के दिशा–निर्देशों का पूर्ण अनुपालन प्रत्येक अधिकारी की व्यक्तिगत जिम्मेदारी होगी। किसी भी स्तर पर लापरवाही अथवा शिथिलता पाए जाने पर संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता–2023 तथा उत्तर प्रदेश सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों का निवारण) अधििनियम–2024 के प्रावधानों के अंतर्गत कठोर कार्रवाई की जाएगी।बैठक में अपर जिलाधिकारी (विद्ये)अनोडल अधिकारी गंभीर सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) मधुबन कुमार सिंह, मुख्य कोषाधिकािरी अनुराग श्रीवास्तव, जिला विद्यालय निरीक्षक सहित समस्त सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टैटिक मजिस्ट्रेट एवं परीक्षा व्यवस्था से जुड़े अधिकारी उपस्थित रहे।

मेडिकल कालेज में आपरेशन के नाम पर मरीजों का आर्थिक शोषण, हड्डी रोग के डक्टर का वीडियो हुआ रहा वायरल

मीरजापुर। मां विध्यावासिनी स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय मिर्जापुर मेडिकल कालेज से संबद्ध मंडलीय चिकित्सालय में भारी भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। जिसका वीडियो वायरल होने के बाद अस्पताल की व्यवस्था और सरकार सहित सूबे के स्वास्थ्य मंत्री के दावे की भी हवा निकलती हुई दिखाई दे गई है। मामला एक मरीज के परिजनों से आपरेशन के नाम पर धनवसूली का बताया जा रहा है। वैसे यह सर्व विदित है कि यहां बिना पैसे लिए मरीजों का ऑपरेशन नहीं होता है। आरोप है कि 5 हजार से 25 हजार तक डॉक्टर लेते है घुस तब जाकर गंभीर मरीजों का किया जाता है आपरेशन, वायरल हो रहे वीडियो में देखा जा सकता है कि मेडिकल कॉलेज का उपचार के लिए क्या है सिस्टम? बता दें कि पहले मरीज के तीमारदार को पर्ची पर पैसे लिख मेडिकल स्टोर पर जमा करवाते हैं, इसके लिए बाकायदा सेंट दुकान साई फार्मसी नामक मेडिकल की दुकान जो मंडलीय चिकित्सालय के सामने है

’शिकायतकर्ताओं की शिकायत डाल दी जाती है रद्दी की लोकरी मे’

भ्रष्टाचार, उपचार के नाम पर धनवसूली, तय मेडिकल दुकान में दवा से लेकर आपरेशन के नाम पर पैसा जमा कराए जाने के मामले की शिकायत उच्चाधिकारियों के पास पहुंच रही है, बावजूद कार्रवाई के नाम पर सब ठंडे बस्ते में डाल दिया जा रहा है। ताजा मामला हड्डी रोग के डॉक्टर राजकुमार से जुड़ा हुआ बताया जा रहा है जिनका वीडियो वायरल होने के बाद हड़कंप मचा हुआ है। आरोप है कि एक छोटे बच्चे के पैर में रॉड डालने के लिए प्राइवेट मेडिकल पर डाक्टर राजकुमार ने रुपये जमा कराये। इसी तरह एक और मरीज से 7 हजार लेकर ऑपरेशन किये जाने का आरोप लगाया गया है। मिर्जापुर स्थित सरकारी अस्पताल में प्राइवेट वसूली का वीडियो वायरल होने के बाद जहां हड़कंप मचा हुआ है वहीं संबंधित मरीज और उनके तीमारदार पर भी दबाव बनाने की कवायद शुरू कर दी गई है,देखना अब यह है कि शासन–प्रशासन सहित विभागीय अधिकारियों की नजरें इस ओर कब इनायत होती हैं।

31 जुलाई तक कराएं धान फसल का बीमा, प्राकृतिक आपदा से नुकसान पर मिलेगा मुआवजा- उप कृषि निदेशक

आजमगढ़ (आर एन एस)उप कृषि निदेशक आशीष कुमार ने जनपद के सम्मानित कृषक बन्धुओं को सूचित किया है कि उ0प्र0 शासन द्वारा कृषकों के हित में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का संचालन किया जा रहा है। योजनान्तर्गत कृषकों को अविस्मृित फसलों का बीमा कराये जाने पर फसल के क्षति होने पर मुआवजाक्षतिपूर्ति दिये जाने का प्राविधान है। जनपद के कृषक शासन द्वारा अधिसूचित धान की फसल का बीमा कराकर प्राकृतिक आपदा की स्थिति में हुए नुकसान की क्षतिपूर्ति प्राप्त कर सकते है। जनपद आजमगढ़ में इस योजना का क्रियान्वयन एग्रीकल्चर इन्श्योरेंस कम्पनी आफ इण्डिया लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है। ओलावृष्टि एवं कटाई के बाद 14 दिन तक प्राकृतिक कारकों से कटी फसल को हुए नुकसान की भरपाई व्यक्तिगत स्तर पर की जाती है। इस के लिए किसान को 72 घण्टे के अन्दर बीमा कम्पनीकृषि विभाग को सूचित किया जाना आवश्यक है। नुकसान की सूचना टोल फ्री नं0–14447 पर भी दी जा सकती है।जनपद आजमगढ़ के कृषक बन्धुओं से अपील है कि प्रतिकूल मौसम को देखते हुए अपनी धान फसल का बीमा 31 जुलाई तक अवश्य करायें और योजना का लाभ प्राप्त करें।

कोटेदार की अनियमितताओं पर बड़ी कार्रवाई, दुकान निलंबित, जांच में राशन वितरण में मिलीं गंभीर गड़बड़ियां

आजमगढ़ (आर एन एस)तहसील सगड़ी क्षेत्र के एक उचित दर विक्रेता (कोटेदार) के खिलाफ राशन वितरण में अनियमितता की शिकायत सही पाए जाने पर प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दुकान का संचालन निलंबित कर दिया है। जांच के दौरान लाभार्थियों के राशन कार्ड, वितरण रजिस्टर, ई–पॉस मशीन के रिकॉर्ड तथा खाद्यान्न उठान एवं वितरण से संबंधित अभिलेखों की गहन जांच की गई, जिसमें कई गंभीर अनियमितताएं सामने आईं।जांच रिपोर्ट के अनुसार कई पात्र लाभार्थियों को निर्धारित मात्रा में खाद्यान्न नहीं मिला। कुछ उपभोक्ताओं के बयान में राशन कम देने की पुष्टि हुई, जबकि ई–पॉस मशीन के रिकॉर्ड और वास्तविक वितरण में भी अंतर पाया गया। जांच में यह भी सामने आया कि कई कार्डधारकों को निर्धारित मात्रा से कम खाद्यान्न दिया गया तथा वितरण व्यवस्था में शासन के निर्देशों का पालन नहीं किया गया। रिपोर्ट में उल्लेख है कि जून एवं जुलाई 2026 के खाद्यान्न उठान और वितरण के आंकड़ों में भी अंतर पाया गया। निरीक्षण के दौरान अभिलेखों का सत्यापन करने पर कई बिंदुओं पर कोटेदार की कार्यप्रणाली संतोषजनक नहीं मिली, जिसके आधार पर संबंधित अधिाकारी ने उचित दर दुकान को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने की संस्तुति की।।आदेश में संबंधित क्षेत्रीय पूर्ति अधिकारी एवं नायब तहसीलदार को निर्देशित किया गया है कि लाभार्थियों को राशन वितरण में किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए निलंबित दुकान को निकटवर्ती उचित दर विक्रेता से अस्थायी रूप से संबद्ध कर खाद्यान्न का नियमित वितरण सुनिश्चित कराया जाए। साथ ही पूरे प्रकरण की विस्तृत जांच कर नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए हैं।प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली में किसी भी प्रकार की अनियमितता, पात्र लाभार्थियों के अधिाकारों से खिलवाड़ अथवा शासन की योजनाओं में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। दोष सिद्ध होने पर संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

धुएं ने जगाया जनआक्रोश - सैकड़ों ग्रामीणों के विरोध के बाद हसकत में

आया नगर पंचायत प्रशासन, भैसही पुल पर बूझी महीनों पुरानी समस्या

आजमगढ़ (आर एन एस)नगर पंचायत जहानागंज क्षेत्र के आजमगढ़/गाजीपुर मुख्य मार्ग स्थित भैसही पुल के पास बीते कई महीनों से नगर पंचायत द्वारा कचरा डंप किया जा रहा था। कचरे में लगातार धुआं उठने से राहगीरों, आसपास के ग्रामीणों तथा निकट संचालित तीन विद्यालयों के छात्र–छात्राओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। ६ पूरे के कारण लोगों को सांस लेने में दिक्कत, आंखों में जलन तथा सड़क पर दृश्यता कम होने जैसी समस्याएं डोलनी पड़ रही थीं।स्थानीय आशीष सोनू फूलेश डब्लू जयराम सहित लोगों का आरोप है कि इस गंभीर समस्या को लेकर कई बार नगर पंचायत प्रशासन से शिकायत की गई। इसके अलावा समाचार पत्रों और सोशल मीडिया के माध्यम से भी मासला प्रमुखता से उठाया गया, लेकिन लंबे समय तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई।स्थिति तब और गंभीर हो गई जब रविवार की रात घने धुएँ के कारण इसी स्थान पर दो सड़क दुर्घटनाएं हो गईं। घटना के वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से पहुंचे।

हिंदू एकता भीष्म प्रतिज्ञा रथ पहुंची आजमगढ़ हुआ भव्य स्वागत

आजमगढ़ (आर एन एस)सगड़ी तहसील क्षेत्र के जमसर गांव में हिंदू एकता भीष्म प्रतिज्ञा रथ पहुंची हुआ भव्य स्वागत । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रधानमंत्री बनने तक की भीष्म प्रतिज्ञा रथ यात्रा पहुंची आजमगढ़ गोल्डन बाबा ने हिंदू संत समाज से की वार्ता नौजवानों में उत्साह।जानकारी के अनुसार रविवार को दिन में 12क़00 बजे श्री श्री 1००8 महामंडलेश्वर मनोजानंद गोल्डन बाबा राष्ट्रीय उपसंयोजक पंचदशनाम श्री संत गुरदास जूना अखाड़ी की सनातन हिंदू एकता व भीष्म प्रतिज्ञा रथ बलिया और कांऊ होते हुए आजमगढ़ गोरखपुर मुख्य मार्ग स्थित जमसर गांव पहुंची जहां आरपी राय सोनू करन के साथ–साथ कोविड काल में और अयोध्या में राम मंदिर निर्माण में मुख्यमंत्री योगी

आदित्यनाथ के कार्यों की प्रशंसा की विदित हो गोल्डन बाबा के द्वारा 4क़30 किलो चांदी के जूता का स्वतः परिचयाग कर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रधानमंत्री बनने तक भारत भ्रमण किया जा रहा है

गोल्डन बाबा ने अपने शरीर पर लगभग 8 करोड़ रुपए के सोने के आभूषण पहन रखे थे नौजवानों में गोल्डन बाबा से मिलने का उत्साह रहा इस दौरान आरपी राय

सोनू ने गोल्डन बाबा को आश्वासत किया इस दौरान राजादेपुर मठाधीश शिव सागर भारती, पुजारी रणविजय सिंह पुजारी भवानी शंकर सहित दर्जनों की संख्या में ग्रामीण और नौजवान मौजूद रहे वहीं पुलिस प्रशासन मुस्तैद रहा।

आकाशीय बिजली का कहर, एक ही परिवार पर दूह दुखों का पहाड़, होमगार्ड के जवान की यम गई सांस

मीरजापुर। जिले में आकाशीय बिजली का कहर एक ही परिवार पर दुखों का पहाड़ बनकर टूटा है। आकाशीय बिजली गिरने से होमगार्ड के जवान की सांस थम गई है। रविवार की रात गरज चमक तेज बारिश के बीच वज्रपात की चपेट में आया परिवार, हादसे में एक सदस्य की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई है जबकि पत्नी,बेटी, बहु झुलस गये हैं। चीख–पुकार सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे, घायलों को 1०8 एम्बुलेंस से पहुंचाया गया जहां अस्पताल में उपचार जारी रहा है। घटना के बाद परिजनों में कोहराम रहा हैं। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची, आवश्यक कार्रवाई में जुटी हलिया थाना क्षेत्र के मगरदा गांव की घटना बताई गई है। जानकारी के मुताबिक हलिया थाना क्षेत्र के मगरदा गांव में रविवार की बारिश के साथ चमक गरज के साथ बिजली की चपेट में आने से एक व्यक्ति की घटनास्थल पर मौत हो गई। इसी तरह सोनगढ़ा ,हर्रा, मगरदा,मटिहरा तथा राजपुर गांव में छह लोग झुलस गए। परिजनों ने एंबुलेंस से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले आए जहां पर झूलसे लोगों का उपचार चल रहा है। बताया जा रहा है कि हलिया थाना क्षेत्र के मगरदा गांव में रामदुलार (57) अपनी पत्नी मानवती (55) के साथ रविवार को देर शाम बरामदे में बैठे थे उसी समय बगल में बिजली गिरने से रामदुलार की घटनास्थल पर मौत हो गई तथा पत्नी मानवती झुलस गई। पड़ोसी पुष्पा (18) तथा प्रमिला (16) भी झुलस गई। सोनगढ़ा गांव में अनित कुमार (22) तथा मटिहरा गांव में प्रीति यादव (15)झुलस गई तथा राजपुर गांव में प्रेमा (65) कच्चे मकान के बरामदे में बैठी थी कि बगल में बिजली गिरने से झुलस गई। रामनारायन कोल का एक बैल नीम के पेड़ के नीचे बंधा था बिजली गिरने से मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस मृतक रामदुलार की कार्रवाई में जुट गई है बताया जाता है कि रामदुलार होमगार्ड था। झूलसे लोगों का प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार चल रहा है। प्रभारी चिकित्साधिकारी अवधेश कुमार ने बताया कि झूलसे लोगों का उपचार चल रहा है हालल सामान्य है। थानाध्यक्ष राजीव कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि गरज चमक के साथ बिजली गिरने से मगरदा गांव में रामदुलार की मौत हो गई है पीएम कार्रवाई की जा रही है।

इंडस्ट्रियल हब बनने की राह पर मीरजापुर, जल्द आकार लेगे निजी औद्योगिक पार्क

मीरजापुर। हस्तनिर्मित कालीन उद्योग के लिए प्रसिद्ध मीरजापुर अब औद्योगिक विकास की तरफ तेजी से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की विकासवादी सोच के चलते प्रदेश के पिछड़े जिलों में शुमार मीरजापुर की जल्द ही तस्वीर बदलने वाली है। जनपद में उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश सरकार ने दो निजी औद्योगिक पार्कों को विकसित करने की संजुरी देने के साथ ही बेहद कम ब्याज दरों पर ऋण भी उपलब्ध कराने की संस्तुति दे दी है। जिससे जल्द ही इन औद्योगिक पार्कों का विकास सुनश्चित हो सकेगा। इन पार्कों में लगने वाली फैक्ट्रियों से जहां एक ओर युवाओं को रोजगार मिलेगा वहीं दूसरी प्रदेश की अर्थव्यवस्था में मीरजापुर के योगदान को भी भारी बढ़ोतरी होगी। जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केंद्र (डीआईसी) के उपायुक्त संदीप कुमार ने बताया कि सदर तहसील क्षेत्र के ग्राम टांगा में 11.०14 एकड़ भूमि पर मेसर्स विंध्य इंडस्ट्रियल प्लेज पार्क द्वारा निजी औद्योगिक पार्क विकसित किया जाएगा। इसी तरह मडिहान के देवरीकलां गांव में 12.031 एक भूमि पर प्रताप चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा उद्योगों को लगाने के लिए भूमि उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि निजि औद्योगिक पार्कों का विकास तेजी से सुनिश्चित किया जा सके इसके लिए शासन ने मेसर्स विंध्य इंडस्ट्रियल प्लेज पार्क के विकासकर्ताओं को 5,5०,70,0०० रुपये व प्रताप चेरिटेबल ट्रस्ट के विकासकर्ताओं को 6,०1,55,००० रुपये 1 प्रतिशत साधरण ब्याज दर पर उपलब्ध कराने के लिए ऋण की स्वीकृति भी दे दी है। जल्द ही इन औद्योगिक पार्कों के विकास का कार्य शुरू हो जाएगा। उन्होंने बताया कि टांगा में कुल 21 भूखंड औद्योगिक ईकाइयों के लिए तैयार किए जाएंगे जबकि देवरीकलां में 4० भूखंडों पर औद्योगिक ईकाइयों की स्थापना के लिए भूखंड उपलब्ध होंगे। पार्कों का विकास पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए किया जाएगा।

’नियमों में ढील से आसान हुई औद्योगिक विकास की राह’

उपायुक्त ने बताया कि प्रदेश सरकार की नीति की वजह से ही निजी औद्योगिक पार्कों का विकास तेजी से संभव हो सका है। प्रदेश में अब निजी औद्योगिक पार्क विकसित करना पहले की अपेक्षा काफी सरल हो गया है। शासन द्वारा उद्योगों की स्थापना के लिए सड़क चौड़ाई के मानक में बदलाव किया गया है। अब सात मीटर चौड़ी सड़कों के किनारे भी औद्योगिक ईकाइयों की स्थापना की जा सकेगी। सरकार के इस फैसले से निजी औद्योगिक पार्कों के तेजी से विकास की राह खुली है। यह निर्णय निवेश को बढ़ावा देने और औद्योगिक विकास को नई गति देने वाला साबित होगा। उपायुक्त ने बताया कि इन औद्योगिक पार्कों में मैनुफैक्चरिंग उपाय, बिजनेस व शापिंग सेंटर व इन्क्यूबेशन सेंटर के साथ–साथ स्वास्थ्य व संचार की सभी सुविधाएं उपलब्ध ा होंगी।

विख्यात गड़बड़ा धाम में दर्शन करने आई महिला श्रद्धालु की सोने की चेन कली

मीरजापुर। जिले के हलिया थाना अंतर्गत गड़बड़ा धाम स्थित मां शीतला देवी मंदिर में दर्शन–पूजन के लिए उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ के बीच चेन काटने की घटना सामने आई। हलिया क्षेत्र के ग्राम राजपुर से दर्शन–पूजन के लिए आई श्रद्धालु आरती देवी की सोने की लगभग डेढ़ तोला चेन अज्ञात उचक्कों ने भीड़ का फायदा उठाकर काट ली। वहीं लगभग ढाई तोला की चेन सुभमा सोनी निवासी खटखरी, जिला मऊगंज (मध्य प्रदेश) ने भी चेन काट जाने की शिकायत की।घटना की जानकारी मिलते ही मंदिर परिसर में कुछ देर के लिए अफरा–तफरी का माहौल बन गया। पीड़ित महिलाओं ने घटना की सूचना मंदिर प्रशासन एवं पुलिस को दी। पुलिस ने मामले की जानकारी लेकर जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी हलिया राजीव श्रीवास्तव ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी प्रसाद मोर्य को बताया मानसिक रूप से असंतुलित नेता थानाध्यक्ष को दी तहरीर

मीरजापुर। कभी प्रदेश में बसपा की सरकार होने पर कद्दावर नेताओं में शुमार रहने वाले पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी प्रसाद मोर्य की मुश्किलें बढ़ती हुई दिखाई दे रही हैं। उनके खिलाफ मीरजापुर के देहात कोतवाली थाना में तहरीर दी गई है। आरोप लगाया गया है कि जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष, पूर्व कैबिनेट मंत्री, मानसिक असंतुलित नेता स्वामी प्रसाद मोर्य द्वारा आमजन मानस की भावना को आहत करने एवं हिंदुओं, क्षत्रियों तथा समस्त हिंदू समाज के आदर्श भगवान श्री रामचंद्र जी एवं भगवान हनुमान जी के सम्मान में अभद्र दिपष्णी की गई है, जिनके खिलाफ उचित कार्रवाई करने की मांग को लेकर तहरीर दी गई है। श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के जिलाध्यक्ष दिलीप सिंह गहरवार के नेतृत्व

वैभव सूर्यवंशी का बहुप्रतीक्षित पदार्पण और मुश्किल विकेटों पर बल्लेबाजी की कमजोरिया

वैभव सूर्यवंशी का बहुप्रतीक्षित पदार्पण और मुश्किल विकेटों पर बल्लेबाजी की कमजोरियां इंग्लैंड के खिलाफ बुधवार से शुरू हो रही पांच मैच की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में भारत के लिए चर्चा का मुख्य विषय रहेंगे। आयरलैंड के खिलाफ हाल ही में मिली 0–2 की करारी हार के जख्मों को पीछे छोड़कर भारतीय क्रिकेट टीम बुधवार से इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय (T20I) श्रृंखला में उतरेगी। इस सीरीज में टीम इंडिया के सामने दो सबसे बड़े सवाल हैंकू पहला, 15 वर्षीय युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी का बहुप्रतीक्षित पदार्पण और दूसरा, मुश्किल एवं तेज गेंदबाजों की मददगार पिचों पर भारतीय बल्लेबाजों की अपनी कमजोरियों से पार पाने की चुनौती।भारत के सहायक कोच रेयान टेन डोएशे ने कहा है कि सूर्यवंशी को भी किसी अन्य क्रिकेटर की तरह एकादश में जगह पाने के लिए 'प्रक्रिया से गुजरना होगा और सही समय का इंतजार करना होगा'। साथ ही उन्होंने यह कहने में कोई हिचकिचाहट नहीं दिखाई कि 15 साल का यह आक्रामक खिलाड़ी कड़ी मेहनत के लिए तैयार दिखता है। लेकिन यह देखना बाकी है कि क्या प्रबंधन इस बात पर अडिग रहेगा कि सूर्यवंशी को प्रक्रिया का पालन करना चाहिए जबकि इस विस्फोटक बल्लेबाज को टीम में शामिल करने की मांग तेज हो रही है। समयऔर कैलेंडरडोएशे ने माना कि पिछले हफ्ते आयरलैंड से मिली 0–2 की हार के बाद टीम में निराशा है और यह बड़े बदलावों का कारण बन सकता है। आयरलैंड के खिलाफ संजू सैमसन की दोहरी विफलता उन्हें बाहर बैठाने और सूर्यवंशी को अभिषेक शर्मा के साथ पारी का आगाज करने का मौका देने का कारण हो सकती है। अभिषेक को बेलफास्ट में पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय में 20 गेंद में 49 रन की पारी के कारण फिर मौका

आयरलैंड के गेंदबाजों की सटीक गेंदबाजी ने आक्रामक बल्लेबाजी के रास्ते बंद कर दिए तो भारतीय बल्लेबाजों को काफी परेशानी हुई।



दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय तिलक वर्मा ने संभलकर खेलते हुए अ्दशतक जड़ा लेकिन 46 गेंद तक टिके रहने के बाद उनका भी सब्र जवाब दे गया।आयरलैंड के अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर से अलग सोच की जरूरत थी लेकिन ऐसा देखने को नहीं मिला। भारतीय बल्लेबाजों को अपनी सोच और खेलने के तरीके में बदलाव करना होगा क्योंकि इंग्लैंड में भी लगभग ऐसे ही हालात होंगे और वहां अधिक बेहतर और अनुभवी खिलाड़ियों से सामना होगा। इंग्लैंड के पास जोफ्रा आर्चर, जोश टंग, साकिब महमूद और सोनी बेकर जैसे बहुत तेज गति वाले गेंदबाज हैं और आदिल रशीद तथा रेहान अहमद जैसे चतुर स्पिन गेंदबाज भी हैं। रिवरसाइड ग्राउंड पर औसत टी20 अंतरराष्ट्रीय स्कोर 138 और उच्चतम स्कोर 195 है जो यहां खेले गए पिछले आठ मैच में गेंदबाजों के दबदबे की ओर इशारा करता है। इसलिए अगर बल्लेबाज विरोधी टीम की

आयरलैंड से टी 20 सीरीज में की हार, कप्तान श्रेयस अय्यर बोले- उन्हें पिच का पता था

भारत पर 2–0 से ऐतिहासिक टी 20 श्रृंखला जीतने के बाद भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने आयरलैंड की तारीफ की और कहा कि वे पिच को बेहतर समझते थे। अय्यर ने माना कि आयरिश टीम की सटीक रणनीति और उसका बेहतर क्रियान्वयन ही उनकी जीत का मुख्य कारण बना। भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने पिच को बखूबी भांपने और रणनीति पर सटीक अमल करने के लिये आयरलैंड की तारीफ की जिसने भारत पर टी20 श्रृंखला में 2 . 0 से ऐतिहासिक जीत दर्ज की। पहले मैच में 34 रन से जीत के बाद आयरलैंड ने रविवार को दूसरा मैच एक रन से जीता। नये कप्तान अय्यर ने मैच के बाद कहा, “ अच्छी श्रृंखला नहीं रही लेकिन आयरलैंड की तारीफ करनी होगी। उन्हें पता था कि विकेट कैसा होगा और उन्होंने रणनीति पर बखूबी अमल किया।”आपकी नाभि खोलेगी आपकी पर्सनेलिटी का राज! जानिए पूरा सच! टी20 में पदार्पण करने पर तीन विकेट लेने वाले प्रिस यादव की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा, “ उसे आईपीएल का काफी अनुभव है। गेंदबाजी में उसके अपने विचार और योजना होती है। सूर्यांश ने भी अच्छा खेला।” आयरलैंड के कप्तान लोरकान टकर ने कहा, “ मुझे यकीन ही नहीं हो रहा। मैंने खिलाड़ियों से कहा था कि हमें साबित करना है कि पहले मैच की जीत तुवका नहीं थी और उन्होंने यह मैच भी जीतकर वही किया। हमने दिखा दिया कि क्रिकेट सरल भी हो सकता है, उसे पेवीदा बनाने की जरूरत नहीं है।

मानसून में देरी से खरीफ बुवाई 23 प्रतिशत घटी, प्रमुख जलाशयों में क्षमता का केवल 26 प्रतिशत जल

दक्षिण–पश्चिम मानसून के देर से आने और उसकी धीमी प्रगति के कारण देश में धान सहित खरीफ फसलों की बुवाई में काफी कमी आई है। आंकड़ों के अनुसार, जून के अंत तक खरीफ फसलों की कुल बुवाई 182.72 लाख हेक्टेयर रही, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 236.46 लाख हेक्टेयर की तुलना में 23 प्रतिशत कम है।देश के कृषि क्षेत्र पर इस बार मौसम की दोहरी मार पड़ती दिख रही है। दक्षिण–पश्चिम मानसून के देर से आगमन और उसकी धीमी प्रगति के कारण देश में धान सहित प्रमुख खरीफ फसलों की बुवाई में भारी कमी दर्ज की गई है। कृषि मंत्रालय द्वारा जारी ताजा आँकड़ों के अनुसार, जून के अंत तक देश में खरीफ फसलों की कुल बुवाई घटकर 182.72 लाख हेक्टेयर

रह गई है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि (236.46 लाख हेक्टेयर) की तुलना में 23 प्रतिशत कम है।केवल धान ही नहीं, बल्कि दलहन, तिलहन, मोटे अनाज और कपास की बुवाई भी पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में कम रही है। आमतौर पर खरीफ फसलों की बुवाई जून में



लाख हेक्टेयर था। दलहनों में तूरचअरह की बुवाई 3.56 लाख हेक्टेयर रही, जबकि पिछले वर्ष यह 8.45 लाख हेक्टेयर थी।तिलहनों में मूंगफली का रकबा 15.29 लाख हेक्टेयर से घटकर 8.87 लाख हेक्टेयर और सोयाबीन का रकबा 19.97 लाख हेक्टेयर से घटकर 6.92 लाख हेक्टेयर

31.84 लाख हेक्टेयर रह गया। उक्त अवधि में कपास की बुवाई 34.61 प्रतिशत घटकर 29.66 लाख हेक्टेयर रह गई, जबकि पिछले वर्ष यह 45.36 लाख हेक्टेयर थी। हालांकि, गन्ने का रकबा मामूली बढ़कर 57.31 लाख हेक्टेयर हो गया, जो पिछले वर्ष 56.64 लाख हेक्टेयर था।

बेन स्ट्राक का क्रिकेट से संन्यास, बोले- अब लड़ने की ताकत नहीं,इंग्लैंड टीम को लगा बड़ा झटका

ऑस्ट्रेलिया में एशेज हार के बाद अपने भविष्य पर विचार कर रहे बेन स्टोक्स ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है, जिसे इंग्लैंड क्रिकेट में एक युग का अंत माना जा रहा है।हालांकि, स्टोक्स घरेलू और फ्रेंचाइजी क्रिकेट में खेलना जारी रखेंगे, जिससे इंग्लैंड के सामने नए टेस्ट कप्तान के चयन की तत्काल चुनौती खड़ी हो गई है। इंग्लैंड के स्टार हरफनमौला खिलाड़ी और टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा कर दी। न्यूजीलैंड के खिलाफ ट्वेंट ब्रिज में खेले जा रहे तीसरे और निर्णायक टेस्ट मैच के दौरान आए इस फैसले ने खिलाड़ियों से लेकर प्रशंसकों तक सभी को भावुक कर दिया।मौजूद जानकारी के अनुसार, स्टोक्स ने मैच शुरू होने से पहले ड्रेसिंग रूम में अपने साथियों और इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड को अपने फैसले की जानकारी दी। इस दौरान वह काफी भावुक दिखाई दिए और अपने साथियों से आखिरी दो दिनों में पूरी ताकत लगाने की

अपील की। उनकी बात खत्म होने के बाद खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ ने खड़े होकर उनका सम्मान किया।बता दें कि 34 वर्षीय बेन स्टोक्स का अंतरराष्ट्रीय करियर करीब 15 वर्षों तक चला। उन्होंने वर्ष 2022 में टेस्ट टीम की कप्तानी संभाली थी और आक्रामक सोच के साथ इंग्लैंड क्रिकेट में नई शैली को बढ़ावा दिया। शुरुआती 13 टेस्ट में उनकी कप्तानी में इंग्लैंड ने 11 मुकाबले जीते, हालांकि बाद के समय में टीम का प्रदर्शन पहले जैसा नहीं रहा है।स्टोक्स ने बाद में कहा कि पिछले कुछ महीनों में लगातार क्रिकेट खेलने के कारण वह मानसिक और शारीरिक रूप से काफी थक चुके थे। उन्होंने स्वीकार किया कि ऑस्ट्रेलिया में एशेज श्रृंखला हारने के बाद उन्होंने अपने भविष्य को लेकर गंभीरता से सोचना शुरू किया था। उनका कहना था कि अब उनके भीतर पहले जैसी लड़ने की ताकत नहीं बची है।गौरतलब है कि हाल ही में अनुशासन संबंधी कारणों से



स्टोक्स दूसरे टेस्ट में नहीं खेल सके थे। बाद में जांच पूरी होने पर उन्हें किसी गंभीर गलती का दोषी नहीं पाया गया था। इसके बावजूद उनके भविष्य को लेकर चर्चाएं तेज हो गई थीं।मैदान पर भी स्टोक्स ने अपने आखिरी टेस्ट में शानदार जपना दिखाया। उन्होंने लंबा गेंदबाजी स्पेल किया और महत्वपूर्ण विकेट भी हासिल किया। चाय के बाद जब वह मैदान पर लौटे तो अपायरों, न्यूजीलैंड के खिलाड़ियों और इंग्लैंड टीम ने उन्हें सम्मान स्वरूप गार्ड ऑफ ऑनर दिया। बाद में उन्होंने तेज बल्लेबाजी करते हुए 20 गेंदों में 30 रन भी

बनाए।अपने टेस्ट करियर में स्टोक्स ने 7,273 रन बनाए, जिसमें 14 शतक शामिल रहे। इसके अलावा उन्होंने 252 विकेट भी लिए और छह बार एक पारी में पांच या उससे अधिक विकेट लेने का कारनामा किया। बता दें कि वह टेस्ट क्रिकेट में 7,000 रन और 250 विकेट का दोहरा आंकड़ा हासिल करने वाले दुनिया के केवल दूसरे खिलाड़ी बने हैं।हालांकि स्टोक्स ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया है, लेकिन उन्होंने स्पष्ट किया है कि वह घरेलू क्रिकेट और फ्रेंचाइजी प्रतियोगिताओं में खेलना जारी रखेंगे।

आयरलैंड में इंतजार, अब इलैंड में डेब्यू! वैभव सूर्यवंशी पर सुनील गावस्कर ने जताया भरोसा

पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने 15 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को लेकर बड़ी उम्मीद जताई है, जिनका मानना है कि आयरलैंड में मौका न मिलने के बाद उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ टी–20 श्रृंखला में डेब्यू का अवसर मिल सकता है। आईपीएल 2026 ओर लिस्ट–ए क्रिकेट में रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन करने वाले वैभव के अंतरराष्ट्रीय करियर का भविष्य अब मौजूदा सलामी बल्लेबाजों के प्रदर्शन पर निर्भर करेगा।भारतीय क्रिकेट में इन दिनों सबसे ज्यादा चर्चा जिस युवा खिलाड़ी की हो रही है, वह बिहार के समस्तीपुर के 15 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी हैं। आयरलैंड दौरे पर उनके अंतरराष्ट्रीय पदार्पण की उम्मीद की जा रही थी, लेकिन टीम प्रबंधन ने पहले मुकाबले में उन्हें अंतिम एकादश में शामिल नहीं किया।अब भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने भरोसा जताया है कि वैभव को इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली पांच टी–20 मैचों की श्रृंखला में जरूर मौका मिल सकता है।बता दें कि वैभव सूर्यवंशी को आईपीएल 2026

में शानदार प्रदर्शन के बाद भारतीय टीम में जगह मिली थी। राजस्थान की टीम के लिए खेलते हुए उन्होंने पूरे सत्र में 700 से अधिक रन बनाए और अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से सभी का ध्यान अपनी ओर



खींचा। इसके बाद उनका चयन राष्ट्रीय टीम में हुआ और क्रिकेट प्रेमियों को उम्मीद थी कि वह आयरलैंड के खिलाफ अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत करें गें। भौगोलिकसंदर्भहालांकि पहले टी–20 मुकाबले में भारतीय टीम प्रबंधन ने अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन की सलामी जोड़ी पर भरोसा बनाए रखा। वहीं युवा खिलाड़ियों प्रिस यादव और सूर्यांश शेडगे को पदार्पण का अवसर मिला, जबकि वैभव को इंतजार करना पड़ा।सुनील

शैफाली वर्मा का बड़ा बयान, आस्ट्रेलिया को हराने का भरोसा, सेमी फाइनल पर नजर

भारतीय ओपनर शैफाली वर्मा ने आईसीसी महिला ज20 वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी निर्णायक मैच में भारत की जीत का भरोसा जताया है। उन्होंने हालिया ज20 सीरीज में ऑस्ट्रेलिया पर मिली जीत का जिक्र करते हुए कहा कि टीम उनकी ताकत और योजनाओं को जानती है, और अपनी रणनीति को सरल रखकर अपनी क्षमता पर भरोसा रखेगी। यह मैच सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, जिस पर शैफाली का आत्मविश्वास और स्पष्ट सोच सकारात्मक प्रभाव डाल सकती है। भारतीय ओपनर शेफाली वर्मा को भरोसा है कि श्चुमन इन ब्लूश प्ब विमेंस ज20 वर्ल्ड कप के अपने आखिरी लीग मैच में ऑस्ट्रेलिया को हरा देंगी। वह छह बार की चौपियन ऑस्ट्रेलिया की वर्ल्ड–क्लास काबिलियत को तो मानती हैं, लेकिन साथ ही यह भी कहती हैं कि वे उन्हें पहले ही हरा चुकी हैं। तीन जीत, एक हार और छह अंकों के साथ दूसरे स्थान पर मौजूद भारत को रविवार को लॉर्ड्स में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने आखिरी लीग मैच से पता चल जाएगा कि वे सेमीफाइनल में पहुंचेंगे या नहीं। छह अंकों के साथ तीसरे स्थान पर मौजूद दक्षिण अफ्रीका का भी एक मैच काफी कमजोर बांग्लादेशी

टीम के खिलाफ है, इसलिए सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की करने के लिए भारत के लिए बड़ी जीत हासिल करना जरूरी होगा।श्रपवैजंत के श्मैच सेंटर लाइव्श में मैच से पहले बात

बेटिंग में काफी सुधार हुआ है। पाकिस्तान के मैच से पहले, मैं बहुत ज्यादा सोच रही थी। मैं बहुत ज्यादा प्लानिंग कर रही थी कि पहली गेंद कैसे खेलूँगी, दूसरी गेंद पर कौन सा शॉट



करते हुए, शैफाली ने इस साल फरवरी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ज20 सीरीज में भारत की 2–1 से मिली जीत का जिक्र किया और माना कि उस जीत से उनका आत्मविश्वास बढ़ा है। उन्होंने कहा कि हर कोई जानता है कि ऑस्ट्रे लिया एक वर्ल्ड–क्लास टीम है। लेकिन ऐसा नहीं है कि हमने उन्हें पहले कभी नहीं हराया है। हमने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया में ज20 सीरीज में उन्हें हराया था, और इससे हमें आत्मविश्वास मिलता

ताकघ्त पर भरोसा रखेंगे। जितना ज्यादा आप सोचते हैं, उतना ही मुश्किल होता जाता है। खेलशैफाली इस टूर्नामेंट में शानदार फॉर्म में रही हैं और उन्होंने दो फिफ्टी लगाई हैं, लेकिन शुरुआत कट्टर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ सिर्फ छह रन बनाकर हुई थी। शेफाली ने कहा कि तब से उनकी बेटिंग में सुधार हुआ है और उन्होंने माना कि वह पहले बहुत ज्यादा सोचती थीं और बहुत ज्यादा प्लानिंग करती थीं। उन्होंने कहा कि मेरी

खेलूँगी। लेकिन उस मैच के बाद, मुझे एहसास हुआ कि चीजों को मुश्किल बनाने की जरूरत नहीं है। मुझे बस चीजों को आसान रखना है। जब मैं बेटिंग करती हूँ, तो मैं गेंद को देखती हूँ और उसी हिसाब से रिएक्ट करती हूँ। मैं बहुत आगे की प्लानिंग नहीं करती। इससे मुझे खुलकर रन बनाने में मदद मिली है। इस बदलाव की वजह से, मुझे लगता है कि अब मैं अच्छा स्कोर कर पा रही हूँ।

वेलकम टू द जंगल बाक्स आफिस दूसरे दिन अक्षय कुमार की फिल्म ने घड़ाघड़ छापने नोट, वर्ल्डवाइड 50 करोड़ का आंकड़ा किया पार

अहमद खान के निर्देशन में बनी फिल्म वेलकम टू द जंगल ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार शुरुआत की. इसे दर्शकों और क्रिटिक्स की ओर से अच्छा खासा रिस्पांस मिला. शनिवार को फिल्म की ऑक्यूपेंसी भी 33लन दर्ज की गई. वहीं, फिल्म ने वर्ल्डवाइड भी रिकॉर्ड तोड़ कलेक्शन किया है. चलिए बताते हैं फिल्म के वर्ल्डवाइड कलेक्शन के बारे में.इसके साथ ही फिल्म वेलकम टू द जंगल ने दूसरे दिन वर्ल्डवाइड छप्परफाड़ कमाई की. ऑफिशियल आंकड़ों के अनुसार, फिल्म ने दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर 59.40 करोड़ का कलेक्शन किया. इसके साथ ही फिल्म के ओवरसीज बिजनेस की बात की जाए तो मूवी ने जहां पहले दिन 4.70 करोड़ रुपये कमाए वहीं, दूसरे दिन शनिवार को 7 करोड़ का कलेक्शन किया.अब अगर फिल्म वेलकम टू द जंगल के इंडिया नेट कलेक्शन के बारे में बात की जाए तो ऑफिशियल आंकड़ों के अनुसार, फिल्म ने इंडिया में पहले दिन 19.40 करोड़ और दूसरे दिन शनिवार को 21.02 करोड़ का कलेक्शन किया था, जिसके बाद इसका कुल इंडिया नेट कलेक्शन 40. 42 करोड़ हो चुका है.फिल्म वेलकम टू द जंगल ने दूसरे दिन नेट कलेक्शन के मामले में बॉक्स ऑफिस पर करीब 8 फिल्मों को रिकॉर्ड्स को तोड़ दिया. इसमें 2026 की राजा शिवाजी (हिंदी में 3.40 करोड़), ओ रोमियो (12.65), चांद मेरा दिल (3.75 करोड़), पति पत्नी और वो दो (12.33 करोड़), पेही (2.25 करोड़), है जवानी तो इश्क होना है (7.75 करोड़), मैं वापस आऊंगा (1.85 करोड़) और कॉकटेल 2 (16.25 करोड़) जैसी फिल्मों को पछाड़ दिया है.
बहरहाल, अगर फिल्म वेलकम टू द जंगल के बारे में बात की जाए तो बॉलीवुड की हिट फ्रेंचाइजी वेलकम की तीसरी किस्त है. इसका निर्देशन अहमद खान ने किया है, जिसमें अक्षय कुमार के साथ ही जैकलीन फर्नांडिस, दिशा पाटनी, सुनील शेठी और रवीना टंडन जैसे कलाकार अहम रोल में हैं. इसमें एक 2000 करोड़ी फेक फिल्म के निर्माण की कहानी देखने के लिए मिलती है, जिसमें दिवस्ट और टर्न्स ख़ूब देखने के लिए मिलते हैं.

वेलकम 2 द जंगल से टक्कर के बावजूद काकटेल 2 का बाक्स आफिस पर जलवा बरकरार, वर्ल्डवाइड कमाई 120 करोड़ के पार

शाहिद कपूर, रश्मिका मंदाना और कृति सैनन अभिनीत रोमांटिक—ड्रामा फिल्म कॉकटेल 2 बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा रही है। होमी अदजानिया के निर्देशन में बनी ये फिल्म बीती 19 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और महज 9 दिनों के भीतर ही इसने दुनियाभर में 120 करोड़ रुपये से अधिक की शानदार कमाई कर ली है। बॉक्स ऑफिस पर अक्षय कुमार की वेलकम टू द जंगल जैसी बड़ी फिल्म की मौजूदगी के बावजूद कॉकटेल 2 का जादू बरकरार है। कड़े मुकाबले के बाद भी दर्शक इस फिल्म पर भरपूर प्यार लुटा रहे हैं, जिससे इसकी कमाई तेजी से आगे बढ़ रही है।

भारत में फिल्म ने पहले दिन 13.5 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। ओपनिंग वीकेंड तक इसने 47.5 करोड़ रुपये का की कमाई की ली। हफ्ते के बीच में कमाई थोड़ी धीमी हुई, जो अक्सर होता है, लेकिन नौवें दिन भी फिल्म ने 4.25 करोड़ रुपये कमाए, जो आठवें दिन की कमाई के बराबर ही था। अब तक भारत में

शरवरी बोलीं, हर एक्टर का सपना होता है कि वह ऐसी कहानी का हिस्सा बने जो लोगों के दिलों में बस जाए



शरवरी बाघ ने अपनी हालिया रिलीज में वापस आऊंगा को मिल रहे अपार प्यार और समर्थन के लिए आभार व्यक्त करते हुए एक भावुक नोट लिखा। उन्होंने कहा कि हर अभिनेता का सपना होता है कि वह ऐसी कहानी का हिस्सा बने, जो दर्शकों के थिएटर से बाहर निकलने के बाद भी लंबे समय तक उनके दिलों और जेहन में बनी रहे। शरवरी बाघ ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया पर कई तस्वीरें और विलप साझा किए, जिनमें फिल्म मैं वापस आऊंगा के लिए दर्शकों की प्रतिक्रियाएं, समीक्षाएं, थिएटर के दृश्य और गीत मसकारा की मेकिंग के दौरान के बिहाइंड-द-सीन्स (बीटीएस) पल शामिल थे।पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा, मुझे नहीं लगता कि इससे बड़ी कोई खुशी हो सकती है कि जिस चीज में आपने अपना दिल और आत्मा लगा दी हो, वह दूसरे लोगों के दिलों में भी जगह बना ले। संदेश, वीडियो, आंसू, बातचीत और प्यार... मैं यह सब देख और पढ़ रही हूं, और कई बार मेरी अपनी आंखों में भी आंसू आ जाते हैं।

शरवरी बाघ ने अपनी हालिया रिलीज में वापस आऊंगा को मिल रहे अपार प्यार और समर्थन के लिए आभार व्यक्त करते हुए एक भावुक नोट लिखा। उन्होंने कहा कि हर अभिनेता का सपना होता है कि वह ऐसी कहानी का हिस्सा बने, जो दर्शकों के थिएटर से बाहर निकलने के बाद भी लंबे समय तक उनके दिलों और जेहन में बनी रहे। शरवरी बाघ ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया पर कई तस्वीरें और विलप साझा किए, जिनमें फिल्म मैं वापस आऊंगा के लिए दर्शकों की प्रतिक्रियाएं, समीक्षाएं, थिएटर के दृश्य और गीत मसकारा की मेकिंग के दौरान के बिहाइंड—द—सीन्स (बीटीएस) पल शामिल थे।पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा, मुझे नहीं लगता कि इससे बड़ी कोई खुशी हो सकती है कि जिस चीज में आपने अपना दिल और आत्मा लगा दी हो, वह दूसरे लोगों के दिलों में भी जगह बना ले। संदेश, वीडियो, आंसू, बातचीत और प्यार... मैं यह सब देख और पढ़ रही हूं, और कई बार मेरी अपनी आंखों में भी आंसू आ जाते हैं।

उन्होंने कहा, हर अभिनेता का सपना होता है कि वह ऐसी कहानी का हिस्सा बने, जो दर्शकों के थिएटर से बाहर निकलने के बाद भी लंबे समय तक उनके साथ बनी रहे। जिस तरह आप सभी ने मैं वापस आऊंगाघ से जुड़ाव महसूस किया है, वह मेरे लिए बेहद विनम्र और भावुक करने वाला अनुभव रहा है। हमारे साथ हर भावना को महसूस करने और इस फिल्म को अपने प्यार से आगे बढ़ाने के लिए आप सभी का दिल से धन्यवाद।

शरवरी के सह कलाकार वेदांग रैना ने भी पोस्ट पर टिप्पणी करते हुए लिखा, तुम इस सबकी हकदार हो, जिया।

फिल्म की बात करें तो इसका निर्देशन इम्तियाज ने किया है। इस पीरियड रोमांटिक ड्रामा में नसीरुद्दीन शाह और दिलजीत दोसांझ भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

मैं वापस आऊंगाघ की कहानी भारत के बंटवारे की पृष्ठभूमि पर आधारित है और बिछड़ने, प्रेम, यादों, पलायन और स्मृतियों जैसे विषयों को सामने लाती है। फिल्म एक ऐसे प्रेम संबंध की कहानी दिखाती है, जो ऐतिहासिक उथल—पुथल के कारण प्रभावित होता है। कहानी नसीरुद्दीन शाह के किरदार के दृष्टिकोण से सुनाई गई है।

अदा शर्मा चलीं मराठी सिनेमा की ओर, फिल्म गजरा से जारी हुई पहली झलक

द केरल स्टोरी और 1920 जैसी फिल्मों से दर्शकों के बीच पहचान बनाने वाली अदा शर्मा अब मराठी इंडस्ट्री में कदम रखने वाली हैं। उनकी पहली फिल्म होगी गजरा। इसका एलान हो गया है। साथ ही पहली झलक भी सामने आई है।

अदा शर्मा की डेब्यू मराठी फिल्म गजरा का आधिकारिक एलान कर दिया गया है। यह फिल्म साल 2027 में रिलीज होगी। अदा इसमें लीड रोल निभाती नजर आएंगी। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम अकाउंट से पोस्ट शेयर कर यह जानकारी साझा की है। साथ ही लिखा है, मराठी में मेरी पहली फिल्म गजरा। आप सभी के प्यार और आशीर्वाद की जरूरत है।

अदा शर्मा ने आगे लिखा है, मेरी पहली फिल्म 1920 से केरल स्टोरी, सनपलावर, कमांडो, बस्तर, रीता सान्याल तक, आपने मुझे बहुत प्यार दिया। हार्टअटैक, क्षणम,

जाने—माने संगीतकार, म्यूजिक अरेंजर और प्रोड्यूसर हैं। वे मराठी



सिनेमा में अपने शानदार ऐतिहासिक और लोक—संगीत के लिए विशेष रूप से लोकप्रिय हैं।

सुपर सुब्बू में ह्यूमर और सच्ची मानवीय भावनाओं का बेहतरीन संतुलन है - मिथिला पालकर

अभिनेत्री मिथिला पालकर अपनी आगामी स्ट्रीमिंग सीरीज सुपर सुब्बू की रिलीज की तैयारी में हैं। अभिनेत्री का कहना है कि इस सीरीज में उनका किरदार हास्य और वास्तविक मानवीय भावनाओं के बीच बेहतरीन संतुलन

स्थापित करता है। सीरीज का ट्रेलर जारी किया गया। इसमें सुंदीप किशन और मुरली शर्मा भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। कहानी सुब्रमण्यम सुब्बूच चिल्लुकुरी राव के इर्द—गिर्द घूमती है, जिसकी पोस्टिंग काल्पनिक गांव माकीपुर में होती है, जहां कोई भी शिक्षक जाना नहीं चाहता। सुब्बू अपने परिवार के सामने सम्मान बनाए रखने के इरादे से गांव पहुंचता है और पढ़ाने के लिए तैयार रहता है, लेकिन उसे गांव में सबसे असहज जिम्मेदारी यानी सेक्स एजुकेशन पढ़ाने का काम सौंप दिया जाता है।सीरीज में अपने किरदार को लेकर मिथिला पालकर ने कहा, मुझे सुपर सुब्बूच की ओर सबसे ज्यादा आकर्षित करने वाली बात यह थी कि यह हास्य के साथ—साथ वास्तविक मानवीय भावनाओं को भी खूबसूरती से प्रस्तुत करती है। तमाम अफरा—तफरी, जिज्ञासा और हंसी—मजाक के पीछे रिश्तों, स्वीकार्यता और एक—दूसरे को बेहतर ढंग से समझने की कहानी छिपी हुई है। निर्देशक मल्लिक

है। उसकी सबसे खास बात यह है कि उसकी नीयत हमेशा अच्छी रहती है, भले ही हालात



उसके नियंत्रण से बाहर क्यों न हो जाए।उन्होंने कहा, माकीपुर अजीबोगरीब लेकिन दिलचस्प किरदारों से भरा हुआ है और हर गलतफहमी कहानी में नया हास्य और नया बवाल जोड़ती है। दर्शक लगातार यह सोचते रहेंगे कि सुब्बू अब इस स्थिति से कैसे निकलेगा। इतनी शानदार स्टारकास्ट के साथ

समांथा रुथ प्रभु की मां इटि बंगारम ने नौवें दिन गाड़े झड़े, कमाया 137 प्रतिशत का प्रशफिट

एक्ट्रेस समांथा रुथ प्रभु को पर्दे पर एक्शन करता देख फैंस काफी इम्प्रेस हुए हैं. फिल्म मां इटि बंगारम बॉक्स ऑफिस पर ताबड़तोड़ कमाई कर रही है. फिल्म में समांथा लीड रोल में हैं. आइए नजर डालते हैं फिल्म के अब तक के बॉक्स ऑफिस

कलेक्शन पर.

सैकनलिक के मुताबिक, फिल्म ने शनिवार यानी नौवें दिन 4.90 करोड़ का कलेक्शन किया. फिल्म को 2211 शोज मिले. वहीं 36.7 परसेंट की ऑक्यूपेंसी मिली. फिल्म ने तमिल वर्जन में 25 लाख कमाए और तेलुगु वर्जन ने 4.65 करोड़



कमाए. फिल्म का टोटल कलेक्शन 42.95 करोड़ रहा.

बता दें कि फिल्म ने ग्रांस 49.72 करोड़ की कमाई की. वहीं ओवरसीज मार्केट में शनिवार को 1.25 करोड़ कमाए. फिल्म ने ओवरसीज मार्केट में टोटल 21.85 करोड़ का कलेक्शन किया. वर्ल्डवाइड फिल्म ने 71.57 करोड़ का बिजनेस कर लिया है.

समांथा की इस फिल्म ने 4.85 करोड़ से ओपनिंग की

एनिमेटेड फिल्म महाप्रभु जगन्नाथ का ट्रेलर जारी, 10 जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक

एनिमेटेड फिल्म महाप्रभु जगन्नाथ को लेकर लोगों में काफी उत्सुकता है। कुछ दिनों पहले इसका पोस्टर जारी किया गया था, जिसे लोगों द्वारा खूब सराहा गया और अब अध्यात्मिक फिल्म का ट्रेलर दर्शकों का दिल जीतने आ गया है। भुवनेश्वर के एनीमेशन स्टूडियो एले एनिमेशन प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले निर्मित यह फिल्म, एनिमेटेड वेब सीरीज जय जगन्नाथ (2007) की सफलता के बाद आ रही है। फिल्म का निर्देशन श्रीपाद वारखेकर ने किया है, जबकि निर्माता दुर्गा प्रसाद दलाई हैं।फिल्म का ट्रेलर कलियुग में अहम नाम के एक शक्तिशाली अस्ुर का परिचय कराता है, जिसका मकसद जगन्नाथ स्वामी के भक्तों को अपने जाल में फंसाना है। इस बुराई का अंत करने और सच्ची भक्ति की शक्ति को जगाने के लिए महाप्रभु जगन्नाथ, बलराम और गरुड एक साहसिक यात्रा पर निकलते हैं। यह फिल्म एली एनीमेशन के सनातन यूनियर्स की शुरुआत करेगी, जिसके तहत भविष्य में कई फिल्में—सीरीज बनेंगी। महाप्रभु जगन्नाथ 10 जुलाई, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

समांथा की इस फिल्म ने 4.85 करोड़ से ओपनिंग की